A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 8 अंक 58 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

पड़ताल

गलत अनुवाद के कारण अमेरिका और चीन के बीच हो गई जुबानी बहस!

शिबानी मेहता

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुप्रतीक्षित बैठक 14 नवंबर को संपन्न हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को सुधारने के लिए खुलापन दिखाया. इंडोनेशिया के बाली में ग्रुप-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, दोनों नेताओं ने यूक्रेन में युद्ध, ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों पर चर्चा की. बैठक पर दुनिया भर की उत्सुक निगाहें थीं, सिर्फ इस वजह से नहीं कि दोनों के बीच की प्रतिद्वंदिता जटिल है, बल्कि इसलिए भी कि दोनों देशों के बीच पहले की एक कूटनीतिक भेंट संवाददाताओं के सामने मुठभेड़ के समान प्रतिस्पर्धा में बदल गई थी.

पिछले साल एंकोरेज बैठक में, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन के साथ चीन के सबसे वरिष्ठ विदेश नीति अधिकारी यांग जिएची और विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत कड़वे माहौल में हुई. यांग जिएची ने 'अमेरिकी पक्ष के लहजे' पर विरोध जताया था, जिसने बाइडेन प्रशासन के तहत अमेरिका- चीन रिश्तों की शुरुआत को मुश्किल बना दिया था.

नई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी अनुवादक ने कम से कम सात गलतियां की थीं, जिनकी वजह से अमेरिकी अधिकारियों का लहजा वास्तविकता से कहीं ज्यादा कड़ा और कम कूटनीतिक लगा. यह घटना बहुभाषी दुनिया में जोखिम भरी है जहां इतिहास का संतुलन शब्दों की अलग-अलग व्याख्याओं पर निर्भर करता है. जहां कुछ लोगों ने तर्क दिया कि नाटकीय बातचीत ने स्पष्ट संवाद का रास्ता तैयार किया, वहीं सच ये भी है कि गलत अनुवाद से दोनों पक्ष एक- दूसरे के इरादों पर संदेह कर सकते थे.

एक अनुवादक की नौकरी की खासियत बारे में, साहित्यिक अनुवादक और दुभाषिया ऐना असलान्यान लिखती हैं कि धारणाओं में अंतर और सांस्कृतिक मान्यताओं की वजह से आए फर्क अक्सर अनुवादकों को सिर्फ अपने फैसले पर भरोसा करने के लिए मजबूर कर सकते हैं.

दशकों के वैज्ञानिक शोध ने मानव इंद्रियों और जानकारियों की प्रोसेसिंग की क्षमता की सीमाओं के बारे में बताया है. हर इंसान अपनी जानकारी के आधार पर कई पूर्वाग्रह रखता है जिसका असर फैसले लेने और समस्याओं को सुलझाने पर पड़ता है, और यही पहलू विशेषज्ञता का महत्व कम करके राजनयिक वार्ताओं पर नकारात्मक असर डालता है.

शोध ने यह भी दिखाया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व्यापक रूप से उपलब्ध प्रौद्योगिकी के तौर पर उभर रहा है, और अगर इसका उचित ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह कूटनीति में महत्वपूर्ण फायदे दिला सकता है. एआई डेटा की बहुत बड़ी मात्रा, शायद इंसानों की तुलना में कहीं अधिक डेटा, का समन्वय करके उसका सार सामने ला सकता है,जिससे फैसले लेने और नीतियां बनाने में तेजी आ सकती है.

नतीजतन, यह जानकारी जुटा और छांट सकता है, संभावित परिणामों का पूर्वानुमान कर सकता है और ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो कूटनीति से अधिकतम फायदे की कोशिशों को सुधार सकती हैं. अगर रणनीति बनाकर इसका इस्तेमाल किया जाए, तो ये प्रौद्योगिकी जवाब देने में लगने वाले समय और मानवीय भूल को कम कर सकती हैं. उदाहरण के लिए, एआई- संचालित पहनने योग्य गैजेट की मदद से राजनयिक अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में मानवीय अनुवाद की खामियां दूर कर सकते हैं.

ये गैजेट विदेशी भाषा के बड़े से बड़े व्याख्यान का सारांश दे सकते हैं. इनमें बातचीत के दौरान मानवीय भावना में किसी बदलाव को महसूस कर राजनयिक को तुरंत सूचित करने की क्षमता भी है, और यह काफी फायदेमंद खासियत है क्योंकि असलान्यनान ने बताया है कि अनुवादक की असली चिंता शब्द नहीं, बल्कि भाव हैं.

वार्ताएं कूटनीति का आधार होती हैं जिनके विषय होते हैं मौजूदा गतिरोध. उदाहरण के लिए बाली में, आशावाद संतुलित था क्योंकि बाइडेन और शी ने व्यापार प्रतिबंधों, ताइवान में चीन के हितों या बीजिंग के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर असहमति जैसे महत्वपूर्ण विषयों को नहीं सुलझाया, लेकिन खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर सहयोग करने पर सहमत हुए.

एक साथ कई समस्याओं का समाधान देने वाली एआई विकसित करने के लक्ष्य से, गूगल डीपमाइंड डिप्लोमेसी नामक बोर्ड गेम का ऐसा मॉडल बना रही है, जिसमें मिश्रित उद्देश्यों और कई एजेंटों के साथ बातचीत की जरूरत होती है. सिर्फ बड़ी टेक कंपनियां ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ खुद 200 से ज्यादा एआई एप्लिकेशंस विकसित कर रहा है.

2020 में, यूएन ग्लोबल पल्स ने डब्ल्यूएचओ रीजनल ऑफिस फॉर अफ्रीका के साथ मिलकर कोविड-19 से जुड़े झूठ के बारे में एक परियोजना शुरू की. शोधकर्ताओं का मानना है कि समाज में फैल रही सूचनाओं की बड़ी मात्रा फैसले लेने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है क्योंकि उन सूचनाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए वक्त की कमी है.

इन सभी मामलों में, एआई आंकड़ों की बाढ़ में से सार्थक चीजें निकालने में नीति- निर्माताओं की मदद कर सकता है, और उन्हें साझा उद्देश्यों का समन्वयन करने और संकटों को रोकने में सहायक हो सकता है. इनमें से हर उद्देश्य इंसानियत की सेवा के लिए एकजुट प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है.

इस सवाल के पीछे कि क्या एआई इंसानों की जगह ले लेगा, यह धारणा है कि एआई और इंसानों में एक जैसी विशेषताएं और योग्यताएं हैं. एआई- आधारित मशीनें तेज, ज्यादा सटीक, और तर्कसंगत हैं लेकिन उनमें अंतर्ज्ञान, आकर्षण और दूसरों को मनाने की क्षमता नहीं है.

शोध में पाया गया है कि जब बिना छांटे डेटा का इस्तेमाल किया जाता है, तब एआई एल्गोरिदम में नस्लीय, लैंगिक या धार्मिक आधार पर अवांछित पूर्वाग्रह बड़े पैमाने पर आ जाते हैं. वैश्विक राजनीति में, ये प्रौद्योगिकी कई बड़े नैतिक और व्यावहारिक चुनौतियां पेश करती हैं जिन पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों की जरूरत है.

इन समझौतों के लिए राष्ट्रों के बीच तकनीकी विषमताओं, गोपनीयता संबंधी चिंताओं और जासूसी की संभावना पर विचार करने की आवश्यकता होगी. जहां यह टेक्नोलॉजी इंसानों की प्राकृतिक सीमाओं को सफलतापूर्वक पार कर सकती है, इसे एक ऐसे समुदाय द्वारा अपनाए जाने के पहले अच्छे- खासे वक्त की जरूरत होगी जो सिर्फ एक- दूसरे के साथ रिश्तों की परंपरा पर बना है.

बाली के लिए निकलने से पहले बाइडेन ने मीडिया से कहा, 'मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं, वो मुझे जानते हैं.' बाइडेन ऐसे राजनेता हैं जो व्यक्तिगत संबंधों के साथ राजनीतिक संबंधों को मिलाकर कूटनीतिक संबंधों को विकसित करने की अपनी क्षमता पर गर्व करते हैं.

तीन घंटे लंबी चर्चा रचनात्मक थी जो अमेरिका और चीन के बीच कूटनीतिक वार्ताओं के लिए अधिक संभावनाओं का संकेत दे रही थी. हो सकता है कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अनजाने में उकसावे से बचने के लिए अपने अनुवादकों को एआई पर भरोसा करने के लिए जोर दें, जब वो अगले साल की शुरुआत में चीन का दौरा करेंगे.

(द प्रिंट में प्रकाशित आलेख के संपादित अंश।)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बाइक चलाते हुए मैंने जाना
कि मूर्खताएं
कहीं से भी आ सकती हैं
तुम्हें उनके बीच
अपना रास्ता ढूंढना होता है।

सिगरेट पीते हुए जाना
कि काग़ज़ चाहे
स्याही से मिले या तम्बाकू से
चढ़ता हमेशा दिमाग़ पर है।

मैंने झूले पर जाना
अपने वज़न से मुक्त होकर जीना
कितना भारी है।

मैंने फावड़ा चलाते हुए जाना
कि ज़मीन खोदने के
दु:ख का फूल
पीले रंग का होता है।

मैंने नदियों, जंगलों,
पहाड़ों की यात्रा से जाना
हर अच्छा साथी
एक दिन छूट जाता है
हर प्रिय का अपना जीवन होता है
जिसका तुम हमेशा के लिए
हिस्सा नहीं हो सकते।

मैंने रुकने का अर्थ
दौड़ते हुए समझा
और चूंकि मैं बहुत ज़्यादा
नहीं दौड़ पाया
तो रुकने के बारे में
बहुत कम जान पाया।

-रचित

खंडवा के गुरुद्वारा साहिब से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा

आदिवासी देश के असली मालिक-राहुल गांधी

● वनवासी कहने पर माफी मांगे बीजेपी ● टंट्या मामा की जन्मस्थली पर बोले, टंट्या मामा एक सोच और एक विचारधारा थे ● धनुष-बाण देकर किया स्वागत

खंडवा (नप्र)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार को 78वां दिन था। दूसरे चरण में खंडवा के डूल्हार फाटा के गुरुद्वारा साहिब से शुरू हुई। यात्रा का आखिरी पड़ाव छैगांव माखन होगा। रात्रि विश्राम खेरदा में होगा। राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी चल रही हैं। दूसरे चरण की यात्रा में सचिन पायलट शामिल नहीं है। प्रियंका गांधी 3 दिन तक भारत जोड़ो यात्रा में हैं। वे अंबेडकर नगर महू तक यात्रा में रहेगी। महू में 26 नवंबर को सभा होनी है।

इससे पहले राहुल गांधी आदिवासी जननायक टंट्या मामा की जन्मस्थली पर पहुंचे। राहुल गांधी ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी इस देश के असली मालिक हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने आदिवासियों को वनवासी कहा, इसके पीछे उनकी दूसरी सोच है। इसके लिए बीजेपी आदिवासियों से माफी मांगे।

राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजों ने टंट्या मामा को फांसी पर चढ़ाया और आरएसएस की विचारधारा ने अंग्रेजों की मदद की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आदिवासियों पर सबसे ज्यादा अत्याचार मध्यप्रदेश में हो रहे हैं।

ऐसा प्रदेश हमें नहीं चाहिए, हमें आदिवासियों को इज्जत और रक्षा देने वाला प्रदेश चाहिए। जैसा कि कमलनाथ जी ने कहा-हमारे लिए टंट्या मामा एक चिन्ह हैं। एक सोच हैं। एक व्यक्ति जरूर थे। एक विचारधारा भी हैं। उनकी सोच और विचारधारा के कारण मैं आज यहां आया हूं। आदिवासी का मतलब जो हिंदुस्तान में सबसे पहले रहते थे। मतलब- जब इस देश में कोई नहीं था, तब भी आप लोग इस देश में रहते थे। अगर आप आदिवासी हो, अगर आप यहां सबसे पहले रहते थे, तो यह हक बनता है कि आप इस देश के मालिक हैं।

टंट्या मामा मतलब आदिवासी, संघर्ष, निडरता और क्रांतिकारी

ये जो शब्द होते हैं, बहुत चीजें छुपा और दिखा भी सकते हैं। टंट्या मामा के बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले कौन सा शब्द आता है। आदिवासी, संघर्ष, निडरता, क्रांतिकारी ये शब्द आते हैं। जब वो अंग्रेजों के सामने फांसी पर चढ़ रहे थे, तो आपको क्या लगता है, डर था या नहीं। सवाल ही नहीं उठता।

कुछ दिन पहले मोदी का भाषण सुना। उसमें उन्होंने एक नया शब्द यूज किया- वनवासी। इस शब्द के पीछे उनकी दूसरी सोच है। आदिवासी के पीछे सोच है कि इस देश के पहले मालिक आप हो। इसका मतलब- आपकी जमीन, जंगल और जल पर आपका हक होना चाहिए। मगर वहां रुकना नहीं है। आप असली मालिक हो तो आपको और आपके बच्चों को अधिकार मिलना चाहिए। अगर आपका बच्चा इंजीनियर बनने का सपना देखे तो सरकार को पूरी मदद करनी चाहिए।

केंद्र सरकार ने अरुण गोयल के अपॉइंटमेंट की फाइल सौंपी

सुप्रीम कोर्ट बोला- बिजली की तेजी से फाइल क्लियर हुई, सवाल ईसी पर नहीं...प्रक्रिया पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के अपॉइंटमेंट की ओरिजिनल फाइल सुप्रीम कोर्ट को सौंपी। सुप्रीम कोर्ट सीईसी और ईसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से अपॉइंटमेंट की फाइल मांगी थी। आज फाइल देखने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा- चुनाव आयुक्त के अपॉइंटमेंट की फाइल बिजली की तेजी से क्लियर की गई। यह कैसा मूल्यांकन है। सवाल उनकी योग्यता पर नहीं है। हम अपॉइंटमेंट प्रोसेस पर सवाल उठा रहे हैं। संविधान पीठ के सामने हुई लंबी बहस के बाद बेंच ने इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस केएम जोसेफ की अगुआई वाली बेंच में जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

एरियर भुगतान, पुरानी पेंशन बहाली समेत अन्य मांगों को लेकर पेंशनरों का प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। छठवें और सातवें वेतन आयोग के एरियर भुगतान सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर पेंशनर्स एसोसिएशन मप्र द्वारा नीलम पार्क में गुरुवार सुबह 12 बजे से बड़ा प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में प्रदेशभर से पेंशनर्स शामिल होने पहुंचे हैं। प्रदर्शन के दौरान पेंशनरों और कर्मचारियों ने एरियर का भुगतान सहित वर्तमान पेंशन प्रणाली की कई कमियों को गिनाते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर तानाशाही नहीं चलेगी और अभी तो यह अंगड़ाई है, जैसे नारे लगाकर सरकार के विरुद्ध नाराजगी जताई। मप्र विद्युत मंडल के पेंशनरों, मप्र स्टेट पुलिस सर्विस पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन सहित आठ पेंशनर्स संघ इस प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं।

मैं समय हूँ... ● साँची की कहानी....समय की जुबानी ● महाबोधि मेले के स्वर्णिम 70 वर्ष

अम्बुज माहेश्वरी

मैं समय हूँ...मेरा जन्म सृष्टि के निर्माण के साथ हुआ था....मैं पिछले युगों में था इस युग मे हूँ और आने वाले सभी युगों में रहूँगा। अनंतकाल से पृथ्वी पर राज करने की लड़ाई जारी है...लाखों वर्ष पहले संसार में डायनासोर जैसे जीवों का राज था...पर काल चक्र के साथ वो न चल पाए..और आखिर उनका अंत हुआ। फिर धीरे धीरे ईश्वर के पुत्र मानव ने धरती को अपने वश में किया और शुरू हुई मुकाबले की एक ऐसी आंधी जिसने सभ्यताओं का उदय और अंत देखा। रोम की शान तो कहीं यूनान की विशाल शक्ति, कभी मुगल सल्तनत बुलंदियों तक पहुँची तो कभी ब्रिटिश साम्राज्य ने अपने ही सूरज को अपनी आंखों के सामने डूबते देखा.. और मैं इन सारी घटनाओं का साक्षी रहा..क्योंकि मैं समय हूँ। यह बताने से पहले की आने वाला कल कितना सुनहरा होगा मैं आपसे तीन जरूरी प्रश्न पूछना चाहता हूँ। क्या आप इस करवट लेते युग के साथ खुद को बदलने की हिम्मत रखते हैं...क्या आप हमेशा शिखर पर रहना चाहते हैं...क्या आप समय के साथ बदलने को तैयार हैं? अगर आपका उत्तर हाँ है तो जान लीजिए... कल की सफलता आज की जीत और आने वाले कल की कामयाबी के पीछे बस एक ही रणनीति है...और वो है परिवर्तन...परिवर्तन पहले सोच में...फिर अमल में..अगर आप मेरे साथ है तो यूं समझिए वक्त आपके साथ है...

आज मैं समय आपको साँची और महाबोधि मेले के स्वर्णिम 70 सालों की कहानी अपनी जुबानी सुनाने आया हूँ।

- प्रेम-करुणा, शांति और साहस की नगरी के रूप में इसे पहचाना जाता है। 3 बरस पहले ही तो यहां के स्तूप की खोज के 200 साल पूरे हुए है। यह भारतीय मुद्रा के 200 के नोट पर भी नजर आता है। सन् 1989 में इसे विश्व धरोहर में शामिल कर लिया गया। आप पूछेंगे कि यह स्तूप बनवाए किसने थे और कब बने थे? मैं आपको बताता हूं, स्तूप का निर्माण बौद्ध धर्म अपनाने के बाद मौर्य सम्राट अशोक ने तीसरी शती ई.पू में करवाया था। आप यही सोच रहे होंगे न

सम्राट अशोक का सांची से क्या कनेक्शन था...दरअसल दुनिया को जीतने वाला यह सम्राट विदिशा में अपना दिल हार गया था तब विदिशा को बैसनगर के नाम से पहचाना जाता था वहां के एक साहूकार की बेटी देवी से उन्हें पहले प्यार हुआ फिर उनकी शादी हो गई। विदिशा अशोक की ससुराल बन गई। शादी के पहले देवी ने अशोक से एक वचन भी लिया था जिसमें आजीवन उनके विदिशा ही रहने की बात थी। अशोक बाद में पाटलिपुत्र के सम्राट बने, लेकिन देवी ने अपना वचन नहीं तोड़ते हुए विदिशा में ही जीवन बिताया। अशोक की पत्नी देवी भगवान बुद्ध की अनुयायी थीं और वे भी बौद्ध धर्म अपना चुके थे तब उन्होंने सांची में स्तूप बनवाए। इन दोनों को एक पुत्र महेन्द्र और एक पुत्री संघमित्रा हुए।

सांची और श्रीलंका का क्या जुड़ाव है यही जिज्ञासा है न आपके मन में...

मैं यह भी बताता हूं, महेन्द्र और संघमित्रा ने भी आगे जाकर बौद्ध धर्म की दीक्षा ले ली थी फिर जब एक बार महेन्द्र बौद्ध धर्म का प्रचार करने श्रीलंका गए तो वहां की रानी अनुला ने संसार से विरक्त होकर बौद्ध धर्म अपनाने की इच्छा जताई। तब महेन्द्र ने वहां के राजा को समझाया कि कोई पुरुष भिक्षु महिला को दीक्षित नहीं कर सकता इसलिए तब भारत से महाविदुषी संघमित्रा को बुलवाया गया तब संघमित्रा श्रीलंका पहुंची... यहां इसके बाद बौद्ध धर्म आया। भाई-बहन दोनों जीवन भर श्रीलंका में भगवान बुद्ध के संदेश का प्रचार करते रहे वे भारत वापस नहीं लौटे।

यहां तक आपको कहानी समझ में आई अब आगे क्या हुआ मैं बताता हूं...

11-12 वीं शताब्दी में यह स्थान खंडहर में तब्दील हो गया और चौदहवीं सदी से लेकर सन 1818 में जनरल टेलर द्वारा इसके खोजे जाने तक सांची के बारे में कि सी को कु छ नहीं पता था। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान स्तूपों से खुदाई में मिलीं अस्थियों को इंग्लैंड के कनिंघम ले जाया गया। जिसमें स्तूप क्रमांक 3 में मिली सारिपुत्र और महा मोग्गल्यान के अस्थि कलश श्रीलंका वापस आने के बाद 30 नवंबर 1952 को सांची आए तब प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू ने यहां नवंबर माह के अंतिम रविवार को वार्षिक मेला शुरू करवाया। 70 साल से नवंबर माह के अंतिम रविवार को यह अस्थि कलश बोधि विहार से बाहर निकाले जाते हैं और बौद्ध भिक्षु इन्हें सिर पर रखकर स्तूप की परिक्रमा करते हैं।

ये देखिए....

यहां स्तूप-1 जो है यह भारत की सबसे पुरानी शैल संरचना है इस स्तूप का व्यास 36.5 मी. और ऊंचाई लगभग 21.64 मी. है। यह बुद्ध के महापरिनिर्वाण के प्रतीक माने गए हैं। सन 1989 में यूनेस्को ने 'विश्व धरोहर' का दर्जा दे दिया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 24°c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 25 नवम्बर 2022

जब प्रलय का समय आता है तो समुद्र भी अपनी मर्यादा छोड़कर किनारों को छोड़ अथवा तोड़ जाते है, लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के समान भयंकर आपत्ति एवं विपत्ति में भी अपनी मर्यादा नहीं बदलते।

-विदुर नीति

आजम के गढ़ में बीजेपी को मुसलमानों पर भरोसा

- रामपुर में तुर्क-पठानों को रिझाने की कोशिश में पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा पूरे उत्तर प्रदेश में पसमांदा या दलित और पिछड़े मुसलमानों को अपने पाले में करने के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम चला रही है, लेकिन भगवा खेमे को रामपुर उपचुनाव में उच्च जाति के मुसलमानों यानी पठानों और तुर्कों पर भरोसा है। बीजेपी एक महीने से अधिक समय से राज्य के विभिन्न हिस्सों में पसमांदा सम्मेलन कर रही है। इस महीने की शुरुआत में रामपुर में इसी तरह की बैठक की गई थी जिसमें उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाग लिया

था। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के प्रति अपनी गहरी धार्मिक मान्यताओं और संदेह को देखते हुए इस समुदाय को जीतना भगवा खेमे के लिए मुश्किल है। इन मुसलमानों का समर्थन हासिल करने के लिए पार्टी का लक्ष्य रामपुर उपचुनाव से कहीं अधिक 2024 का लोकसभा चुनाव है। भाजपा की अल्पसंख्यक शाखा के प्रमुख बासित अली ने कहा, बीजेपी रामपुर जीतेगी, लेकिन पसमांदा मुसलमानों के कारण नहीं। उनके समर्थन में वृद्धि जरूर होगी। इसके अलावा ज्यादातर उच्च जाति के मुसलमानों ने बीजेपी को अपना समर्थन दिया है। तुर्क मुसलमान तुर्क वंशज होने का दावा करते हैं और रामपुर-सम्भल-मुरादाबाद क्षेत्र में बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

साढ़े 4 महीने बाद पंजाब से दिल्ली पहुंचा लॉरेंस

- एनआईए ने बठिंडा जेल से हिरासत में लिया; 10 दिन का मिला रिमांड

अमृतसर (एजेंसी)। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य आरोपी लॉरेंस साढ़े 4 महीनों के बाद पंजाब से बाहर गया है। ट्रांजिट रिमांड पर लॉरेंस को दिल्ली लेकर पहुंची राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने वीरवार सुबह कोर्ट में पेश किया। दिल्ली कोर्ट ने लॉरेंस को 10 दिन के लिए एनआईए को सौंप दिया है। एनआईए ने उसके खिलाफ आतंकी व गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार गैंगस्टर लॉरेंस पर एनआईए ने आतंकी गतिविधियों में शामिल होने पर गैर कानूनी गतिविधियां की रोकथाम

के लिए बना गए नियम यूएपीए के तहत केस दर्ज किया है। बुधवार को इसके आदेश चंडीगढ़ पहुंच गए थे। जिसके बाद एनआईए लॉरेंस को बठिंडा जेल से अपनी कस्टडी में लेने वाली है। एनआईए लॉरेंस से दिल्ली ले जाकर आतंकी कनेक्शन को लेकर पूछताछ करेगी। पहली एफआईआर में लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर नामजद किए गए। जिनमें गैंग का मुखिया लॉरेंस, कनाडा बैठा गैंगस्टर गोल्डी बराड़, बिक्रम बराड़, काला जठेड़ी, जसदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया, सचिन थापन, लॉरेंस का भाई अनमोल और लखबीर सिंह लंडा शामिल हैं।

अज्ञात इस्लामिक समूह ने ली मंगलुरु विस्फोट की जिम्मेदारी

- पुलिस को मिला समूह का पत्र, बोली-नाम पहली बार सुना है,

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में पिछले शनिवार को एक ऑटोरिक्शा में देशी बम ले जा रहा एक व्यक्ति कादरी के प्रसिद्ध मंजूनाथ मंदिर को निशाना बनाने वाला था। हालांकि असली मकसद को अंजाम देने से पहले ही बम ब्लास्ट हो गया। पुलिस के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में पुलिस को एक पत्र मिला है। पत्र की पुष्टि कर रही है। यह पत्र एक ऐसे समूह के लेटरहेड पर लिखा गया है जो खुद को इस्लामिक रेसिस्टेंस काउंसिल कहता है।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने अब तक इस समूह के बारे में नहीं सुना है। विस्फोट को आतंकवादी घटना मानते हुए, पुलिस ने 29 वर्षीय आरोपी शरीक को गिरफ्तार कर लिया है। वह खुद विस्फोट में घायल हो गया था और अस्पताल में भर्ती है। इस बीच कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रवीण सूद ने बुधवार को कहा कि मंगलुरु के एक ऑटो रिक्शा में हुए विस्फोट मामले की जांच आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी मोहम्मद शारिक का उद्देश्य समुदायों के बीच विभाजन पैदा करना था। पुलिस ने कहा कि पत्र में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आलोक कुमार को भी धमकी दी गई है। यह पत्र खुफिया विभाग को प्राप्त हुआ है।

डिजाइनर बालियों में अब नहीं दिखेंगी एयर इंडिया होस्टेस

बिंदी का साइज, चूड़ी की संख्या तय...मेल क्रू के हेयरस्टाइल पर भी गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने केबिन अटेंडेंट के लिए ग्रूमिंग गाइडलाइंस जारी की है। इसमें बिंदी के साइज से लेकर चूड़ी की संख्या भी तय की गई है। गाइडलाइन में कहा गया है कि बिंदी का साइज 0.5 सीसी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। एक से ज्यादा चूड़ी पहनने की भी इजाजत नहीं है। मेल क्रू के हेयरस्टाइल का भी गाइडलाइन में जिक्र है। कंपनी ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, एअर इंडिया ने ग्रूमिंग गाइडलाइंस में मेल क्रू 5 के उन मेंबर्स को जिनके बाल कम हैं या जिन्हें गंजापन है, उन्हें क्लीन शेव्ड सिर यानि बाल्ड लुक रखने को

कहा है। ऐसे क्रू मेंबर को अपने सिर को रोजाना शेव करने को भी कहा गया है। वहीं क्रू मेंबर बिखरे हुए बाल, या लंबे उलझे बाल वाली हेयरस्टाइल भी नहीं रख सकते। फीमेल क्रू मेंबर्स को पर्ल इयररिंग्स यानी मोती की बालियां पहनने की परमीशन नहीं है। बिंदी ऑप्शनल है, लेकिन उसका साइज 0.5 सीसी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। विमेन क्रू हाथों में सिर्फ एक चूड़ी पहन सकती हैं, लेकिन चूड़ी में कोई डिजाइन या स्टोन नहीं होना चाहिए। इसके अलावा विमेन क्रू बालों को बांधने के लिए हाई टॉप नॉट और लो बन्स स्टाइल का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं।

जामा मस्जिद में लड़कियों के प्रवेश पर पाबंदी हटी

एलजी के दखल से वापस लिया फैसला, महिला आयोग भी था विरोध में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जामा मस्जिद में लड़कियों के प्रवेश पर लगाई गई पाबंदी को एक दिन बाद ही हटा लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जामा मस्जिद के शाही इमाम बुखारी से बात की और जामा मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश को तत्काल रद्द करने की अपील की। इमाम बुखारी ने आदेश को रद्द करने पर सहमति जताई है। इससे पहले मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी के कहा था, मस्जिद परिसर में कुछ घटनाएं सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, 'जामा मस्जिद इबादत

की जगह है और इसके लिए लोगों का स्वागत है। लेकिन लड़कियां अकेले आ रही हैं और अपने दोस्तों का इंतजार कर रही हैं, यह जगह इस काम के लिए नहीं है। इस पर पाबंदी है।' दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इसे महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए नोटिस जारी किया है। महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, ये बहुत ही शर्मनाक और गैर संवैधानिक हरकत है।

भारत के सामने अब नहीं टिक पाएंगे चीन और पाकिस्तान

- अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, 3000-3500 किमी है रेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्य दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण किया है। अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह परीक्षण सामरिक बल कमान की देखरेख में किए गए नियमित प्रशिक्षण प्रक्षेपण का हिस्सा था। बयान के अनुसार प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था। मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी। बयान के अनुसार प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था।

चीन ने फिर कब्जाई नेपाल की बड़ी जमीन

'सलामी स्लाइसिंग' रणनीति से फंसाया, हिंदुओं के मंदिरों में जाने से भी लगा रहा बैन

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल की उत्तरी सीमा पर चीन ने 10 स्थानों पर 36 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा कर लिया है। जानकार इसे चीन की सलामी स्लाइसिंग का नतीजा बता रहे हैं। चीन सलामी-स्लाइसिंग नीति का इस्तेमाल दूसरे देशों की जमीन काटने के लिए कर रहा है। भारत से उसका सीमा विवाद जग जाहिर है।

लेकिन अब नेपाल की जमीन भी कब्जाता जा रहा है। नेपाली कृषि मंत्रालय द्वारा जारी सर्वे दस्तावेज के मुताबिक चीन ने उत्तरी सीमा पर 10 जगहों पर नेपाल की 36 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर लिया।

सत्येंद्र जैन के वकील ने वापस ली याचिका

- जेल के सीसीटीवी फुटेज मीडिया में लीक न करने की मांग की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन के वकील ने राहुल मेहरा ने उस अर्जी को वापस ले लिया, जिनमें उन्होंने किसी भी सीसीटीवी फुटेज को मीडिया में लीक न करने की बात कही थी। राहुल मेहरा अब इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करेंगे। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले में आज सुनवाई होनी थी। उधर, जस्टिस विकास ढुल की बेंच ने तिहाड़ जेल प्रशासन को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नोटिस में कहा गया है कि अगर जैन व्रत कर हैं तो उन्हें दिल्ली जेल नियमावली के मुताबिक खाना दिया जाए। बीजेपी ने पिछले एक हफ्ते में सत्येंद्र जैन की जेल लाइफ से जुड़े 5 वीडियो शेयर किए हैं। इनके आधार पर ये सवाल उठाए गए हैं कि जेल में उन्हें सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं। जेल में सही खाना न मिलने और 28 किलो वजन घटने के आरोप के बाद भाजपा ने एक और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

25 गायों के लिए आधी रात को खुला द्वारकाधीश मंदिर

मालिक ने लंपी से ठीक होने की मन्नत मांगी थी, पैदल यात्रा कर पहुंचे

द्वारका (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी 'द्वारका' के इतिहास में शायद ये पहला मौका है, जब द्वारकाधीश मंदिर के दरवाजे आधी रात को खोले गए। जी हां, बुधवार की रात यहां कुछ ऐसा ही हुआ। मंदिर के पट किसी वीआईपी के लिए नहीं, बल्कि 25 गायों के लिए खोले गए। ये गायें अपने मालिक के साथ 450 किमी की पैदल यात्रा कर कच्छ से द्वारका पहुंची थीं। दरअसल, कच्छ में रहने वाले महादेव देसाई की गोशाला की 25 गायें करीब दो महीने पहले लंपी वायरस से ग्रस्त हो गई थीं। इस दौरान पूरे सौराष्ट्र में लंपी वायरस से गायों के मरने का सिलसिला जारी था। इसी बीच महादेव ने भगवान द्वारकाधीश से मन्नत मांगी थी कि अगर उनकी गायें ठीक हो गईं तो वे इन गायों के साथ आपके दर्शन करने जाएंगे। मंदिर प्रशासन के लिए सबसे बड़ी समस्या गायों की मंदिर में एंट्री को लेकर ही थी, क्योंकि यहां दिन भर हजारों भक्तों की भीड़ रहती है। ऐसे में गायों के पहुंचने से मंदिर की व्यवस्था बिगड़ जाती। इसलिए तय किया गया कि मंदिर आधी रात को खोला जाए। ऐसा

भी सोचा गया कि भगवान श्रीकृष्ण तो गायों के ही भक्त थे, तो वे रात में भी इन्हें दर्शन दे सकते हैं। इस तरह रात के 12 बजे के बाद मंदिर के दरवाजे खोले गए। द्वारका पहुंचकर गायों ने सबसे पहले भगवान द्वारकाधीश के दर्शन करने के बाद मंदिर की परिक्रमा भी की।

असीम मुनीर होंगे पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ

आईएसआई के मुखिया रह चुके, पुलवामा हमले में भी रोल था

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ होंगे। वे आईएसआई के चीफ रह चुके हैं। अब वो जनरल कमर जावेद बाजवा की जगह लेंगे। बाजवा 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। जनरल मुनीर वही हैं, जिन्होंने पूर्व पीएम इमरान खान को आसपास मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में बताया था। इसके बाद ही उन्हें उनके पद से हटा दिया गया था। 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा हमले में भी असीम मुनीर की साजिश थी। असीम 2018-2019 में 8 महीनों के लिए आईएसआई चीफ रह चुके हैं। इमरान खान ने अपने करीबी फैज हमीद को आईएसआई चीफ बना दिया था और गुजरांवाला कॉर्प्स कमांडर के तौर पर मुनीर का ट्रांसफर कर दिया था। असीम को 2018 में टू-स्टार जनरल के रैंक पर प्रमोट किया गया था, लेकिन उन्होंने इस पोस्ट को 2 महीने बाद जॉइन किया। लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर उनका 4 साल का कार्यकाल 27 नवंबर को खत्म होगा।

श्रद्धा मर्डर केस में शाह बोले-

आरोपी को कड़ी सजा मिलेगी

आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट हुआ, नार्को टेस्ट आज संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के पॉलीग्राफ टेस्ट का दूसरा चरण शुरू हो गया है। यह टेस्ट दिल्ली के इलाके रोहिणी की फॉरेंसिक लैब में हो रहा है। सर्दी-बुखार की वजह से बुधवार

को आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट पूरा नहीं हो पाया था। हालांकि, नार्को टेस्ट गुरुवार को भी संभव नहीं लग रहा है। पॉलीग्राफ टेस्ट की प्रोसेस पूरी होने के बाद ही नार्को होगा। इधर एजेंसी के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पूरे मामले में मेरी नजर है। श्रद्धा की हत्या करने वाले को कम से कम समय में कड़ी सजा दी जाएगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस लगातार काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में जांच के दस्तावेजों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि आफताब ने पहले गला दबाकर श्रद्धा का मर्डर किया और इसके बाद उसके टुकड़े किए। एक दिन पहले बुधवार को श्रद्धा की एक पुलिस कम्प्लेंट मीडिया में आई थी।

रेलवे ने 16 महीनों में 177 कर्मचारी निकाले

हर 3 दिन में निकाला नॉन-परफॉर्मर एम्पलाई, 139 अधिकारियों को वॉलंटरी रिटायरमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने पिछले 16 महीनों में 177 कर्मचारियों को निकाला है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि जुलाई, 2021 से हर तीन दिन में रेलवे के एक भ्रष्ट अधिकारी या नॉन-परफॉर्मर को बाहर निकाला है। अब तक 139 अधिकारियों को वॉलंटरी रिटायरमेंट लेने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 38 को सेवा से हटा दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि 139 में से कई अधिकारी ऐसे हैं, जिन्होंने प्रमोशन नहीं मिलने या छुट्टी पर भेजे जाने पर इस्तीफा दिया या वीआरएस का विकल्प चुना। इनमें ऐसे भी मामले हैं, जहां उन्हें रिटायरमेंट का विकल्प चुनने के लिए मजबूर करने के लिए परिस्थितियां बनाई गईं। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि दो सीनियर ग्रेड अधिकारियों को बुधवार को बर्खास्त कर दिया गया। इनमें से एक को टीम ने पांच लाख रुपए की रिश्वत के साथ हैदराबाद में, जबकि दूसरे को तीन लाख रुपए के साथ रांची में पकड़ा था। उन्होंने बताया कि रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रफॉर्मेंस को लेकर दिए गए अपने संदेश काम करें या घर बैठें को लेकर बहुत स्पष्ट हैं।

अधिकारियों ने बताया- हमने जुलाई, 2021 से हर तीन दिन में रेलवे के एक भ्रष्ट अधिकारी को बाहर निकाला है। इसके लिए रेलवे ने कार्मिक और प्रशिक्षण सेवा नियमों के नियम 56 (जे) का उपयोग किया है, जो कहता है कि एक सरकारी कर्मचारी को कम से कम 3 महीने का नोटिस या समान अवधि के लिए भुगतान करने के बाद रिटायर या बर्खास्त किया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम काम नहीं करने वालों को बाहर निकालने के केंद्र के प्रयासों का हिस्सा है। वैष्णव ने जुलाई 2021 में रेल मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों को बार-बार चेतावनी दी है।

गुजरात में अब राज्य के सभी पुलों का होगा सर्वे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह राज्य के सभी पुलों का सर्वेक्षण कराए। हाईकोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है कि सरकार इसकी अच्छी तरह जांच कर लें कि सभी पुल सही स्थिति में हैं

एचसी ने दिया सर्वे कराने का आदेश, कहा- बढ़ाया जाए पीड़ित परिवारों का मुआवजा

कि नहीं, अगर नहीं हैं तो उनकी मरम्मत कराए। कोर्ट ने सभी पुलों की सूची भी मांगी है, और यह बताने को भी कहा है कि उनमें से कितने समान स्थिति में हैं। निर्देश में कहा गया है कि रिपोर्ट प्रमाणित होनी चाहिए और इसे कोर्ट के सामने रखी जाए। अपने आदेश में पीड़ित परिवारों की मुआवजा राशि भी बढ़ाने के लिए कोर्ट ने कहा है। गुजरात हाईकोर्ट ने मुआवजा देने के मामले में राज्य सरकार को जमकर फटकार लगाई है।

कोर्ट ने पाया कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को दिया गया मुआवजा कम है। कहा कि मुआवजा वास्तविक रूप में होना चाहिए। उचित मुआवजे का भुगतान करना समय की जरूरत है।

किसानों की बिजली संबंधी हर संभव मदद के निर्देश

इंदौर। बिजली वितरण कंपनी के सभी इंजीनियर गंभीरता रखें। रबी सीजन का मुख्य दौर चल रहा है, किसानों की हर संभव मदद की जाए। कहीं कोई परेशानी हो, तो समय पर निदान किया जाए। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने यह निर्देश दिए। 15 जिलों के बिजली इंजीनियरों, अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस से मीटिंग ले रहे थे। उन्होंने कहा कि देयकों का समय पर भुगतान प्राप्त किए जाए, किसानों के अंशदान (एफआरटी) पर फोकस रहे, जहां स्थाई कनेक्शन नहीं वहां सिंचाई के लिए अस्थाई कनेक्शन दिए जाए, जिन किसानों ने पहले की तुलना में ज्यादा हॉर्स पावर की मोटर लगा ली है, उनके कनेक्शन में भार वृद्धि दर्ज की जाए। पंपों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण भी समय पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने सिंचाई के लिए प्रतिदिन दस घंटे गुणवत्ता के साथ बिजली आपूर्ति के निर्देश दिए। नगर पालिका और नगर निगम वाले शहरों में बिलिंग एफिशिएंसी किसी भी सूरत में 95 फीसदी से कम नहीं हो, जहां कम है, वहां अगले दो माह में रिकॉर्ड सुधारा जाए। उपभोक्ताओं को सही बिल देने एवं प्रत्येक उपभोक्ता से हर माह बिल में दर्ज राशि वसूलने के को कहा।

हुकुमचंद मिल मामले की अगली सुनवाई 28 को

इंदौर। हाईकोर्ट में हुकुमचंद मिल की 42 एकड़ जमीन के मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन टल गई। कोर्ट ने कोटक महिंद्रा बैंक के साथ अन्य बैंकों के जवाब भी मांगे हैं और इसलिए अब अगली सुनवाई 28 नवम्बर हो होगी। कोटक महिंद्रा बैंक ने कोर्ट से मांग की है कि परिसमापक अधिकृत किया जाए। वहीं अन्य बैंकों के जवाब के लिए समय देकर अगली सुनवाई हाईकोर्ट ने 28 नवम्बर को तय की है। गौरतलब है कि हुकुमचंद मिल के मजदूर सालों से अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मिल की जमीन बेचकर उन्हें राशि मिलना है। 6 साल पहले कोर्ट ने डीआरटी से जमीन मूल्यांकन कराया, इसमें इसकी कीमत 400 करोड़ रुपए आंकी गई थी। हाल ही में दोबारा मूल्यांकन में 385 करोड़ रुपए कीमत बताए जाने पर मजदूरों ने आपत्ति ली है। इस पर दोबारा से मूल्यांकन के आदेश दिए गए थे। इस आदेश को चुनौती देते हुए कोटक महिंद्रा ने अपील की और प्रस्ताव दिया कि नीलामी लिक्विडेटर के माध्यम से कराई जाएगी। हम कब्जा सौंपने को तैयार हैं।

लाखों का माल चोर ले उड़े

इंदौर। बीते 24 घंटों में इंदौर में कई चोरी की घटनाएं दर्ज हुई। जिसमें चोर वाहन और सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों का माल ले उड़े। लसूड़िया थाना क्षेत्र में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक राहुल रावत पिता राजकुमार रावत निवासी सिंगापुर टाउनशिप तलावली चांदा द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि वह काम के सिलसिले में घर से बाहर गए थे। वापसी में जब लौटे तो देखा कि घर की कुंडी तोड़कर कोई अज्ञात बदमाश घर में रखा लैपटॉप, सोने की अंगूठियां, चांदी के जेवरात सहित नगदी को लाखों रुपए का माल चोरी कर ले गया है। इसी तरह शहर में कई वाहन चोरियों की घटनाएं भी सामने आई है पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों खिलाफ चोरी का मुकदमा कायम किया है और उनकी तलाश कर रही है।

जीवन प्रबंधन का सबसे बेहतर ग्रंथ है गीता

इंदौर। गीता किसी एक धर्म के लिए नहीं सम्पूर्ण मानव जगत के लिए उपयोगी है। देश प्रेम की बात हो, कूटनीति की बात है, प्रशिक्षण की बात हो या शांति की बात हो। सभी का ज्ञान गीता के सार से मिलता है। ये बातें आशा पारस फॉर पीस एण्ड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन द्वारा श्रीमद् भगवद् गीता प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ प्रियरंजन त्रिवेदी ने कहीं। तीन दिनी आयोजन शांति, सद्भाव और जीवन में प्रबंधन के उद्देश्य से किया गया। अध्यक्षता डॉ मार्कण्डेय राय अध्यक्ष वेद फाउण्डेशन ने की। प्रशिक्षण डॉ अजय दुबे अंतरराष्ट्रीय योग गुरु एवं हिमालयन योग आचार्य के सान्निध्य में प्रदान किया जा रहा है। समन्वय एवं संयोजन लव चावड़ीकर आशा पारस फाउण्डेशन ने किया। स्वागत वक्तव्य प्रो. आरके शुक्ला निदेशक आशा पारस फाउंडेशन ने प्रदान किया। उन्होंने दोनों संस्थाओं की ओर से उपस्थित अतिथियों एवं समस्त प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। विषय प्रवर्तन प्रो. आशा शुक्ला पूर्व कुलपति ब्राउस, सदस्य राष्ट्रीय अनुसंधान टोली, भारतीय शिक्षण मण्डल ने प्रदान किया। उन्होंने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत करते अपनी बात रखी। डॉ मार्कण्डेय राय ने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता की वाणी दिशा देने वाली है। अपने कर्तव्य पथ पर चलने और कार्य के निर्वहन के लिये प्रबंधन को हम गीत में देख सकते हैं। प्रशिक्षक डॉ दुबे ने भी संबोधित किया।

थाने की छत से कांग्रेस का हार्डिंग उतारा

इंदौर। कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़े यात्रा के लिए निकले राहुल गांधी के स्वागत के लिए लगाया होल्डिंग भाजपाई की शिकायत पर निकाल दिया गया। अब कांग्रेस के होर्डिंग की जगह अब यातायात जागरूकता होर्डिंग लगाया गया है। राहुल गांधी की यात्रा के लिए कांग्रेस द्वारा शहर में लगाए गए पोस्टर भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर निकाले जा रहे हैं। शहर के मध्य एमजी रोड थाने की छत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका वाड्रा के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव स्थानीय सत्यनारायण पटेल की फोटो वाला हार्डिंग लगा हुआ था। इस होर्डिंग की भाजपा कार्यकर्ता राजू कुवाल ने नगर निगम कंट्रोल रूम को शिकायत की ओर हार्डिंग उतरवा दिया। अब थाने की छत पर यातायात जागरूकता हार्डिंग लगा है। भाजपा कार्यकर्ता ने शासकीय संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्रवाई करने की मांग भी की है।

ट्रीटमेंट प्लांट का काम अगले माह से

इंदौर। सीवरेज के पानी को ट्रीटमेंट करने के लिए शहर में जगह-जगह एसटीपी प्लांट बनाए जा रहे हैं। पूर्व में शुरू किए गए कुछ एसटीपी प्लांट का काम पूरा हो चुका है तथा कुछ एसटीपी प्लांट का काम अंतिम चरण में चल रहा है। सीवरेज दूषित पानी को ट्रीटमेंट करने के लिए नगर निगम द्वारा शहर में अलग-अलग स्थानों पर एसटीपी प्लांट बनाए जा रहे हैं। शहर में अब तक कबीर खेड़ी, आजाद नगर, राऊ और शेखर नगर सहित अन्य स्थानों पर 10 से अधिक एसटीपी प्लांट तैयार हो चुके हैं। अब एक नए प्लांट के लिए नगर निगम द्वारा पूरी प्रक्रिया कर ली गई है तथा वर्क आर्डर भी जारी किए जा चुके हैं। अगले माह दिसंबर में पलासिया क्षेत्र में 37 करोड़ की लागत से 35 एमएलडी का नया नए एसटीपी प्लांट का काम शुरू होगा। एसटीपी प्लांट से ट्रीट क्या जापानी उद्यानों में सिंचाई के काम लिया जाएगा। ज्ञात हो कि आजाद नगर वाले एसटीपी प्लांट से रेसीडेंसी कोठी क्षेत्र में सिंचाई के लिए पाइप लाइन डाली जा चुकी है।

मजदूर की मौत पर ठेकेदार पर मामला

इंदौर। शहर के राहु थाना क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान में काम करने के दौरान पिछले दिनों एक मजदूर छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही बरतने संबंधी धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक रामेश्वर बामनिया निवासी राहु की शिकायत पर ठेकेदार इरशाद निवासी राऊ के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक पिछले दिनों शुभम ग्रीन कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान पर ठेकेदार इरशाद के द्वारा काम दिए जाने पर मजदूर संतोष परमार पिता रमेश परमार निवासी लालबाग धामनोद द्वारा काम किया जा रहा था। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा सुरक्षा उपकरण मजदूरों को मुहैया नहीं कराए गए थे। इसके चलते काम करने के दौरान मजदूर संतोष परमार पहली मंजिल से नीचे गिरा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल में दाखिल कराया गया ।जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर। मेट्रो ट्रैन के पहले चरण का काम तेजी से जारी है। सरकार का वादा है कि बहुत जल्द शहर में मेट्रो का ट्रायल रन किया जाएगा। उसी की तैयारियों के तहत एयरपोर्ट से रेडिसन होटल तक के काम को प्राथमिकता दी गई है। सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो स्टेशन का कार्य भी प्रगति पर है।

गुजरात चुनाव के कारण दो जिलों में शराब की बिक्री प्रतिबंधित

सीमा से 3 किलोमीटर की दूरी तक मद्यनिषेध संबंधी निर्देश

इंदौर। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान को देखते हुए सीमावर्ती जिले आलीराजपुर एवं झाबुआ में शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। मतदान के दिनों को शुष्क दिवस घोषित किए जाने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश के वाणिज्यिक कर विभाग ने आदेश जारी किया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के मुताबिक गुजरात राज्य की सीमा से लगे प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में चरण के अनुसार मद्यनिषेध संबंधी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। मतदान क्षेत्र में किसी निर्वाचन के लिए मतदान समाप्त होने के लिए नियत समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटे की अवधि के दौरान उस मतदान क्षेत्र के भीतर किसी होटल, आहार गृह, मधुशाला में अथवा किसी अन्य सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्पिरिटयुक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी ही प्रकृति का अन्य पदार्थ न विक्रय नहीं किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति जो उपबंधों का उल्लंघन करेगा, उसे 6 माह का कारावास या 2 हजार रुपए जुर्माना या दोनों से दंडनीय होगा।

इन बिंदुओं का पालन अनिवार्य

गुजरात राज्य के सीमावर्ती जिलों की सीमा से 3 किलोमीटर की दूरी तक मतदान के समाप्त होने के निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व से व मतगणना तिथि को क्षेत्र की शराब की दुकानें बंद रखी जाएगी तथा शराब बिक्री पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू किया जाएगा। मतदान क्षेत्र में शराब के परिवहन की संभावना न रहे, ऐसे प्रयास किए जाएंगे। मदिरा की दुकानें, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और अन्य सेलिंग प्वाइंट/सर्विस प्वाइंट आदि में शुष्क दिवस के आदेशों में उल्लेख अनुसार दिनांकों में किसी को भी शराब बिक्री एवं सेवा की अनुमति नहीं होगी। गैर मालिकाना क्लब, होटल, रेस्टोरेंट आदि तथा ऐसे होटल जिनके पास विभिन्न श्रेणी की मदिरा प्राप्त करने तथा प्रदाय करने के लाइसेंस उपलब्ध है, इन्हें भी शुष्क दिवस के आदेशानुसार शराब बिक्री/सेवा की अनुमति नहीं होगी। निर्देश में उल्लेख है कि उक्त अवधि के दौरान व्यक्तियों द्वारा शराब के भंडारण में कटौती की जाए तथा बिना लाइसेंस परिसर में शराब के भंडारण पर आबकारी कानून में प्रावधानित प्रतिबंध को सख्ती से लागू किया जाए। उल्लेखनीय है कि गुजरात राज्य में कुल 182 सीटों पर 2 चरण में सामान्य निर्वाचन 2022 कार्यक्रम जारी किया गया है। एक और 5 दिसंबर को मतदान एवं 8 दिसंबर को मतगणना होनी है।

87 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक खुलेंगे, 56 के लिए जगह मिली

68 जांच, 120 प्रकार की दवा मुफ्त मिलने की संभावना

इंदौर। शहर में 87 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के लिए प्रशासन की और से जगह उपलब्ध कराई जा रही है। जगह मिलने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम भवन निर्माण का कार्य शीघ्र करेगा, जिससे जल्द से जल्द संजीवनी क्लीनिक का संचालन हो सकेगा।

इससे शहर की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेहतर होंगी और मोहल्ले में ही विशेषज्ञ डॉक्टरों से जब उपचार मिलेगा तो बड़े अस्पताल का भार कम होगा। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में जांच, दवा से लेकर विशेषज्ञ डाक्टरों का परामर्श मिलेगा। जिले में संचालित होने वाले सभी उप स्वास्थ्य केंद्र,शहरी स्वास्थ्य केंद्र और डिस्पेंसरी अब मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के नाम से जाने जाएंगे। जिनकी संख्या कुल 87 होगी। जिसमें 52 नई मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक और 35 पुराने स्वास्थ्य केन्द्र शामिल हैं। राउ और महू में एक-एक क्लीनिक तैयार होंगे।

56 के लिए जगह चिन्हित

सीएमएचओ डॉ भूरेसिंह सैत्या के मुताबिक, प्रशासन के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा शहर में 56 जगह चिन्हित की गई है, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को क्लीनिक निर्माण करने के स्थानों की जानकारी दी जा चुकी है। नगर निगम द्वार भवन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। 21 स्थानों पर स्वीकृति मिल चुकी है। 25 लाख रुपए की लागत से एक मुख्यमंत्री संजीवनी बनेगा। यहां सभी स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क होंगी। ये स्वास्थ्य केन्द्र सुबह 10 से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। संजीवनी क्लीनिक में सामान्य ओपीडी परामर्श शुल्क नहीं होगा।

निगम देवगुराड़िया मंदिर के पास से 25 दुकान हटाएगा

नेमावर रोड चौड़ीकरण का प्रस्ताव में ये बाधक

इंदौर। शहरी क्षेत्र के अलावा निगम अब बाहरी इलाकों में भी ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुट गया है। ट्रेंचिंग ग्राउंड के आगे देवगुराड़िया मंदिर के पास से निगम अगले सप्ताह 25 दुकानों को हटाएगा। इन दुकानदारों को नोटिस जारी हो चुके हैं। ये दुकानें सड़क चौड़ीकरण में लंबे समय से बाधक बन रही हैं। जनकार्य विभाग के सिटी इंजीनियर अशोक राठौर ने बताया कि पालदा से देवगुराड़िया तक औद्योगिक क्षेत्र है। कई यात्री बसें भी इस मार्ग से गुजरती हैं। दिनभर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक निगम के वाहन आते हैं। औद्योगिक क्षेत्र में भी भारवाहक वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। कुछ व्यापारियों ने यहां दुकानों के आगे अतिक्रमण और अवैध निर्माण कर रखा है, जिससे कई बार ट्रैफिक प्रभावित होता है। पिछले दिनों औद्योगिक क्षेत्र का महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निरीक्षण किया था। उस दौरान उद्योगपतियों व अन्य लोगों ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर शिकायत की थीं। तब महापौर ने आश्वस्त किया था कि सुचारू यातायात के लिए अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाए जाएंगे। मार्ग के चौड़ा होने पर यहां बिजली पोलो पर एलईडी लाइट लगाने का काम भी शीघ्र शुरू किया जाएगा।

डेंगू और मलेरिया के मरीज घटे

इंदौर। जिले में डेंगू मलेरिया को लेकर पिछले साल की अपेक्षा राहत की जानकारी है। प्रभारी डॉ दौलत पटेल ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस साल डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। डेंगू मलेरिया प्रभारी ने बताया कि पिछले साल इन दिनों डेंगू के 1201 मरीज पूरे जिले में थे। विभाग द्वारा पिछले वर्ष डेंगू पीड़ित मरीजों का ताबड़तोड़ इलाज किया गया था। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष डेंगू के मरीज मात्र 194 की संख्या में है। विशेषज्ञ द्वारा बताया गया कि स्वच्छता और स्वास्थ विभाग द्वारा लगातार प्रशिक्षण शिविर और दवाइयों के छिड़काव की वजह से डेंगू का प्रभाव इस वर्ष कम रहा।

शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन, डेढ़ लाख ने साथ बैठकर कथा सुनी

दलालबाग में 4 लाख वर्ग फीट का विशाल शामियाना बनाया गया

इंदौर। शहर के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित दलाल बाग के विशाल मैदान पर सीहोर वाले पं प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का आयोजन गुरुवार से शुरू हो गया। इस आयोजन में डेढ़ लाख लोग एक साथ बैठकर कथा सुनी। आज पहले दिन डोम खचाखच भरा रहा।

इस कथा के लिए दलालबाग में 4 लाख वर्ग फीट का विशाल शामियाना बनाया गया है। इस शामियाने में डेढ़ लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था है। शामियाने में बिजली, पंखे आदि भी व्यवस्थित तरीके से लगाए गए हैं। विधायक संजय शुक्ला ने बताया कि भगवान शिव की उपासना को हर घर तक पहुंचाने का माध्यम बने सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से 24 से 30 नवंबर तक शिव पुराण कथा का आयोजन किया गया है। इस कथा के लिए भव्य डोम बनाया गया है। पहले दलाल बाग में लोगों के बैठने की क्षमता कम थी। हमने कथा के आयोजन के लिए पिछले 15 दिन से इस जगह को विस्तारित करने का काम किया। इस मैदान के एक क्षेत्र में उबड़ खाबड़ जमीन पड़ी हुई थी, जिसका उपयोग किसी भी आयोजन में नहीं हो पाता था। हमने उस जमीन की भराई करवाकर उसे समतल जमीन के रूप में तैयार किया है। उस जमीन का उपयोग इस कथा में नागरिकों के बैठने में किया जा रहा है। कथा स्थल के पूरे क्षेत्र को कवर किया गया है। आयोजन स्थल पर नागरिकों की सुविधा के लिए 125 सुविधाघर का भी निर्माण कराया गया। इस आयोजन स्थल पर नागरिकों के प्रवेश के लिए 6 द्वार बनाए गए हैं। शुक्ला ने बताया कि आयोजन स्थल पर अलग-अलग स्थानों पर 8 बाय 10 की 50 एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। स्क्रीन इसलिए लगाई गई, ताकि मैदान में किसी भी स्थान पर बैठने वाले नागरिक को न केवल कथा का श्रवण बराबर हो सके बल्कि सबको बेहतर तरीके से नजर भी आ सके। आयोजन स्थल पर 50 स्टॉल भी लगाए गए, जहां लोगों को पूजा-पाठ की सामग्री व अन्य वस्तुएं मिल सकेंगी। आयोजन के प्रारंभ में पंडित आचार्य प्रदीप मिश्रा को आयोजन स्थल के मुख्य द्वार से मंच की व्यासपीठ तक रथ के माध्यम से ले जाया गया।

इंदौर। सर्दी का असर बढ़ते ही गर्म कपड़ों का बाजार शो रूम से लगाकर सड़क तक सजने लगा। लोगों ने अपनी हैसियत से सर्दी से बचाव की अपनी तैयारी शुरू कर दी। इनमें स्वेटर, मौजे, टोपे से लगाकर कंबल तक की दुकानें लग गई।

विदेशों से आने वाले अतिथियों को नई इलेक्ट्रिक बसों में सैर कराएंगे

बसों में मेहमानों का स्वागत गुलाब के फूल देकर किया जाएगा

इंदौर। निगम के बेड़े में शीघ्र ही नई इलेक्ट्रिक बसें आएंगी। इन बसों में सबसे पहले प्रवासी भारतीय सम्मेलन में आने वाले मेहमानों को सैर-सपाटा कराया जाएगा। पर्यटन और ऐतिहासिक स्थलों को सजाने का काम शुरू किया जाएगा। ये बसें तीन दिन तक लगातार सुबह से देर रात तक सेवाएं देती रहेंगी। अप्रवासी सम्मेलन को लेकर निगम के साथ जिला प्रशासन अपने स्तर पर लाखों के काम कर रहा है। आयोजन स्थल से लेकर एयरपोर्ट तक दुल्हन की तरह सजावट की जाएगी। 10 किलोमीटर का क्षेत्रफल नए इंदौर में तब्दील करने की तैयारी है। निगम की मंशा है कि यहां से लौटने पर मेहमान सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को यादगार बना ले। वे गंतव्य लौटने पर वहां भी निगम के कामों की सराहना करें। इसी ध्येय को लेकर हर विभागीय अधिकारी अलग-अलग जिम्मेदारी से काम कर रहा है।

दो जगह खड़ी रहेगी- अगले माह निगम को 20 इलेक्ट्रिक बसों मिलेंगी। इन बसों को एयरपोर्ट और ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पर खड़ा रखा जाएगा। इन बसों से मेहमानों को पातालपानी, तिंछाफाल, राजवाड़ा, लालबाग, गुलावट, यशवंत सागर तालाब आदि स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। इन स्थानों की सुंदरता व विकास पर भी निगम लाखों रुपए खर्च कर रहा है।

बसों में फूल देकर स्वागत- बसों में मेहमानों का स्वागत गुलाब के फूल देकर किया जाएगा। इसके लिए फूल मंडी से निगम रोजाना 2 से 3 क्विंटल फूल खरीदेगा। इन फूलों को बसों में सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि वे लंबे समय तक खिले रहें।

उद्योगपतियों को लाएंगे- प्रवासी सम्मेलन के समाप्त होने के बाद शहर में दो दिनी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होगी। समिट में 10 से अधिक देशों के उद्योगपति शामिल होंगे। उद्योगपतियों को लाने में भी बसों की मदद ली जाएगी। हालांकि, निगम उद्योगपतियों के लिए अलग से चार पहिया वाहनों की व्यवस्था भी करेगा। एआईसीटीएसएल के सीईओ मनोज पाठक के मुताबिक, नई इलेक्ट्रिक बसों की खेप अगले माह इंदौर आएगी।

पत्नी की नौकरी होने पर भी वो गुजारा भत्ता पाने की हकदार

इंदौर। मुंबई के रहने वाले और सऊदी अरब में निर्यात का कारोबार करने वाले पति को कुटुम्ब न्यायालय ने पत्नी को हर माह 15 हजार रुपये और एक मुश्त ढाई लाख रुपये देने के आदेश दिए हैं। आदेश न्यायाधीश रावेंद्र कुमार सोनी ने दिया है। इंदौर की रहने वाली रिया हेमलानी की शादी मुंबई के संजय हेमलानी से मार्च 2021 में हुई थी। दो दिन बाद ही पति, सास और ननद ने ताने देकर घर से निकाल दिया।

बाद में 10 लाख रुपए और जेवर मांगे। जिसके बाद पीड़िता ने कनाड़िया थाने में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करवाया था। पीड़िता के पति संजय का सऊदी अरब में एक्सपोर्ट का बड़ा कारोबार है। उसके मुंबई में भी कई फ्लैट्स है। जबकि, ससुराल वालों ने महिला के पति की कोई भी आमदनी होने से इनकार कर दिया। साथ ही घरेलू हिंसा की बात से भी मुकर गए। मामले में अदालत ने पाया कि रिया को सताया गया है और बेघर किया गया। उसके आमदनी का कोई सबूत नहीं है। जज ने कहा कि अगर पत्नी जीने के लिए कुछ कमा रही है तो भी पति गुजारा भत्ता देने से इनकार नहीं कर सकता है। पत्नी को अलग रहकर भी पति की तरह ही जिंदगी जीने का हक है। पति ने अदालत के सामने सालाना 6 लाख आय का ब्योरा पेश किया था, जिसके बाद कोर्ट ने जुलाई 2021 से बकाया ढाई लाख एकमुश्त गुजारा भत्ता और 15 हजार रुपये हर माह देने का आदेश दिया है।

पटवारी परीक्षा में दो विषय दोबारा जोड़े जाएं

इंदौर। पटवारी परीक्षा में पंचायती राज व ग्रामीण अर्थव्यवस्था विषय को दोबारा जोड़ने को लेकर युवा कांग्रेस ने कलेक्टर इलैया राजा टी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश में 15 हजार पदों पर पटवारियों की भर्ती करने की भी मांग की गई है। छात्र नेता जावेद खान ने बताया कि हाल ही में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसमें प्रदेश में पटवारी परीक्षा में पंचायती राज एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे प्रमुख विषय को हटाकर सामान्य प्रबंधन एवं अंग्रेजी आदि विषय रखे गए हैं। इन्हें पढ़ना अब अनिवार्य होगा, जबकि 2017 से प्रदेश में पटवारी भर्ती की परीक्षा नहीं ली गई है। प्रमुख रूप से पटवारी परीक्षा में युवा पंचायती राज व ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विषय की किताबों से पढ़ते आए हैं। कोरोनाकाल को छोड़कर पिछले 5 वर्षों में विद्यार्थियों ने इन्हीं विषयों को पढ़ा हैं। यदि मप्र कर्मचारी चयन मंडल एवं प्रदेश सरकार सामान्य प्रबंधन व अंग्रेजी विषय रखेंगे तो हजारों छात्रों के परिणामों पर असर पड़ेगा, यह तुगलकी फरमान है। ज्ञापन की एक प्रति कर्मचारी चयन मंडल भोपाल को भी प्रेषित की गई।

संपादकीय

चुनाव आयोग के कार्यकाल पर उठते सवाल

चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय की निगाह गई है, तो यह सुखद और स्वागत योग्य है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के क्रियाकलापों पर बड़े सवाल उठाए हैं, जिन पर आने वाले दिनों में चर्चा बढ़ना तय है। सर्वोच्च न्यायालय की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगता है कि न्यायालय ने केंद्र सरकार से चुनाव आयोग में अरुण गोयल की

नियुक्ति के दस्तावेज पेश करने को कहा है। मंगलवार को न्यायालय ने दो टूक कहा कि एक के बाद एक सरकारों ने भारत के चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया है। 1996 से किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव आयोग के प्रमुख के रूप में पूरे छह साल का कार्यकाल नहीं मिला है। लगे हाथ, पांच न्यायमूर्तियों की संविधान पीठ ने खेद जताया हैकि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए यथोचित कानून के अभाव में एक खतरनाक प्रवृत्ति सामने आई है। यह अच्छी बात हैकि सर्वोच्च न्यायालय ने किसी एक राजनीतिक दल को निशाना नहीं बनाया है। चुनाव आयुक्तों को चुनने संबंधी सवाल पर संविधान की चुप्पी का सभी राजनीतिक दलों नेसत्ता में रहते हुए लाभ उठाया है। 1990 और 1996 के बीच छह साल मुख्य चुनाव आयुक्त रहे थे। उसके बाद गिरावट तब शुरू हुई, जब किसी भी चुनाव आयुक्त को पूर्ण कार्यकाल नहीं दिया गया। सरकार को अच्छे से पता है कि वह क्या कर रही है, जब वह किसी को नियुक्त करती है, तब उसे पता रहता है कि नियुक्त होने वाले की जन्मतिथि क्या है? सरकार अगर चाहे, तो आसानी से किसी ऐसे आयुक्त को नियुक्त कर सकती है, जो पूरे छह साल तक आयोग में सेवा देने में सक्षम हो, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यह सहज आकलन है कि टी एन शेषन को पूरा समय मिला था, इसलिए वह बेहतर काम कर पाए, लेकिन उनके रहते ही चुनाव आयोग की रूपरेखा को बदल दिया गया था। चौकस मुख्य चुनाव आयुक्त से परेशान होने के बाद तमाम राजनीतिक दल अपेक्षाकृत कमजोर चुनाव आयोग के पक्षधर थे। सत्ता से तालमेल बिठाकर चलना एक तरह से आयोग की मजबूरी लगती है। आलोचना करते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने जैसी शालीनता का परिचय दिया है, वह काबिले तारीफ है। पीठ का इशारा देखिए, हम ऐसा नहीं कह रहे हैं, लेकिन ऐसा लग रहा है।

नजरिया

डॉ. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। अहिंसा आयोग और अहिंसक सभ्यता के पैरोकार हैं।

स्त्रियां मांगें हक और हिंसामुक्त पृथ्वी

हम पृथ्वी पर आठ अरब हो गए। दुनिया की आधी आबादी का सवाल अब भी प्रश्नवाचक है। स्त्रियों को दोयम दर्ज़े की जिंदगी पितृसत्तात्मक समाज की सबसे बड़ी विडम्बना है। सवाल यह है कि ऐसी स्थितियाँ कब तक बनी रहेंगी? बहुत से देशों में पितृसत्तात्मक समाज स्त्रियों की गैर-बराबरी को क्यों नहीं खत्म करना चाहते, यह बहुत बड़ा प्रश्न है। इससे अच्छा तो बहुत सी वे सभ्यताएं हैं जहां मातृसत्तात्मक व्यवस्था है। आदिवासी समुदायों में मातृसत्तात्मक व्यवस्था स्त्री सशक्तीकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और मिसाल प्रस्तुत करने के लिए बहुत उचित लगती हैं जहां स्त्रियों की गरिमा मर्दवादी सभ्यता और उनकी गरिमा के मुक़ाबले समृद्ध व मजबूत हैं। इससे तो यही अच्छा है दुनिया का इंडीजेनस-देसज-आदिवासी हो जाना।

युद्धरत देशों में स्त्रियों की स्थिति और उनके साथ होने वाली हिंसाओं से पूरी आदी आबादी सहमी हुई है। सच यह है की लगातार महिलाओं के साथ विभिन्न प्रकार की हिंसाओं ने हमारी नींदें इसलिए उड़ा दी है क्योंकि स्वभावतः हम पहले से कहीं ज्यादा अधिक क्रूर, बर्बर और हिंसक हुए हैं। यह किसी भी स्थिति में अच्छी बात नहीं है। इस पर यदि चिंताएँ की जा रही हैं तो वह मनुष्यता के लिए अति आवश्यक हैं। हाल ही में, यूएनओडीसी की कार्यकारी निदेशिका ने यह अपील की कि हमें महिलाओं और लड़कियों की लिंग आधारित हत्याओं के सभी रूपों को रोकने के लिए, हर जगह, हर पीड़ित की गिनना होगा, और महिलाओं की हत्या के जोखिमों व कारणों की समझ में सुधार लाना होगा ताकि हम बेहतर और अधिक प्रभावी रोकथाम और आपराधिक न्याय योजनाएँ बना सकें। यह केवल अपील नहीं समझना होगा अपितु इस पर परिवर्तनकारी कदम उठाना राज्यों का आज नैतिक दायित्व बन गया है वरना आधी आबादी की समस्याओं पर नियंत्रण न हम कर सकेंगे और न ही कोई रचनात्मक बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं।

भारत में घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं, सेवा-क्षेत्र में हिंसा की शिकार महिलाओं और यौन हिंसा बलात्कार से पीड़ित महिलाओं की समस्या को इस दशक में ज्यादा रेखांकित किया गया है। निर्भया जैसी घटना के बाद देश में अनेकों क्रूर और ज्यादा बर्बर बलात्कार पीड़ित स्त्रियों और बच्चियों के लिए कोई सशक्त सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सरकार नहीं ले पायी है और न ही उन्हें यह आश्वस्त कर पायी है कि ऐसी घटनाएँ अब नहीं हो सकेंगी। गुजरात में एक रेप-पीड़िता के आरोपियों को जेल से छोड़े जाने के बाद उनका फूल-माला से अभिनंदन किया जाना बहुत ही हास्यास्पद था लेकिन उतना ही वह बेशर्मी भरा भी माना जाएगा, ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

ऐसी हरकतों से हिंदुस्तान की महिलाओं का मनोबल बहुत गिरा है और उनको अपने जीवन में संशय भी व्याप्त हुआ है। श्रद्धा और आफताब की घटना से अब एक नई बहस छिड़ी है की भारत में कि लीव-इन-रिलेशनशिप के मसलों से हिंदुस्तान कैसे निपटेगा? इस बीच भारत में एक खास मजहब के लोगों के भीतर दूसरे मजहब के लोगों की स्त्रियों को अपने बदले के रूप में की जाने वाली हिंसाओं से भारत की स्त्रियाँ ज्यादा असुरक्षित हुई हैं। यह चीजें अभी मज़ाक के तौर पर ली जा रही हैं लेकिन इसका खामियाजा आने वाले वर्षों में बदले की भावनाओं को और निर्मम और बर्बर बनाएँगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। इस प्रकार भारत में हिंसा झेलती महिलाएं अपनी सुरक्षा की गारंटी की मांग कर रही हैं। घरेलू हिंसा की शिकार महिलाएं अपनी सुरक्षा की गारंटी की मांग कर रही हैं। सरकार बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ का नारा देकर स्त्रियों के जीवन को सुधार देना चाहती है। उनके जीवन के उत्कर्ष को एक नया आयाम देना चाहती है लेकिन ऐसा देखा जा रहा है कि जहां पार्टी या राजनीतिक लाभ के मसले आते हैं, वहाँ स्त्री नेत्रियों द्वारा चुप्पी साध ली जाती है जो किसी भी दशा में अच्छे भविष्य का संकेत नहीं दिखता। क्या हम इतने स्वार्थी हो गए हैं? सरकार जो तीक्ष्ण तेवर अपनाकर स्त्रियों को गारंटी देने की कोशिश करती है तो उसकी भावनाओं का जनता क्यों संवेदनशील होकर नहीं लेती यह भी समझ मेन नहीं आता। यह नहीं समझ में आता की हम अपनी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी खुद पर कब लेंगे क्योंकि सरकार किसी की भावनाओं पर पहरा देकर रुरक्षा तो नहीं दे सकती।

भारत के पड़ोसी देशों में रोहिङ्ग्या की समस्या को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विस्थापन से जो कष्ट स्त्रियों को सहना पड़ रहा है वह कष्ट किताबी या अखबारी सूचनाओं से जुटाई गयी संवेदना में नहीं आ सकता, इस दिशा में शरणार्थी महिलाओं की ओर राज्य कितना ध्यान दे रहे हैं, उनकी नीतियों से पता चलता है। चल क्या रहा है, सबको पता है। छोटी बच्चियों के हाथ में न किताब है न देखने के लिए अच्छा सा सपना क्योंकि अनागरिकता ने उनके साथ हो रही हिंसाओं को रेखांकित करना भी गैर-जरूरी मन लिया है। राज्य यह सोचते हैं कि यदि हम उनके ऊपर हो रहे जुर्म को कहीं दस्तावेज़ का हिस्सा बनाएँगे तो मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का ज़वाब कौन देगा। बेकार की चीजों में पड़ने की जरूरत ही क्या है? सार्क देशों में स्त्रियों के मानव अधिकारों की स्थिति चिंताजनक है और सार्क देशों के बहुत से क्षेत्रों में स्त्रियों के साथ हो रही हिंसाओं को भी अनदेखा किया नहीं जा सकता, लेकिन हो रहा है ऐसा।

यह अच्छा है कि भारत जी-20 की मेजबानी करने जा रहा है और यह एक बड़ा मौका है कि वह स्त्रियों के प्रश्न को गंभीरता से बहस के केंद्र में रखे और एक एजेंडे के तहत जी-20 कि स्त्रियों के साथ होने वाली किसी भी हिंसा की रोकथाम के लिए योजना हेतु एक आमसहमति का प्रपत्र बनाए। यदि ऐसा होता है तो भारत की प्रतिष्ठा और भारत की स्त्रीवादी दृष्टि उभरकर दुनिया में सराहना की पात्र बन सकती है, इसमें कोई दो-मत नहीं है। 'महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए सक्रियता'-'यूनाइट' संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष की थीम श्लोगन बनाया है। इस वर्ष भी 16 दिनों का सक्रिय अभियान है यह जो 25 नवम्बर से शुरू होकर 10 दिसम्बर को, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर सम्पन्न होगा। इस पूरे अवधि में महिला हिंसाओं को रेखांकित करना और उनके मुक़ाबले के लिए रणनीति बनाना, पूरी दुनिया की ज़िम्मेदारी है। इस अवधि में जागरूकता बढ़ाने, पैरोकारी को प्रोत्साहन देने और चुनौतियों व समाधानों पर चर्चा की खातिर अवसर सृजित करने के लिए, वैश्विक कार्रवाई की पुकार शामिल है।

हम जानते हैं कि आधी आबादी के साथ भेदभाव, हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी क़ीमत चुकानी पड़ती है फिर भी राज्य क्यों महिलाओं को लेकर सक्रिय योजना नहीं बना रहे हैं, यह चिंताजनक है और जब तक ऐसी स्थिति रहेंगी चिंताएँ बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। स्थितियाँ भयावह न हों इसके लिए राज्यों का जागना आवश्यक है। सन् 2009 में स्त्रियों ने अपने संघर्ष के सौ वर्ष पूर्ण कर लिए। स्त्रीवादी आंदोलनों ने भी यही चाहा कि स्त्रियों के अधिकार सुरक्षित हों, उन्हें बराबरी और न्याय प्राप्त हो। विडंबना यह है कि उनके द्वारा किए गए यत्न भी कोई रोमांचकारी परिवर्तन नहीं कर पाए और न ही स्त्रियों को संतोषप्रद वातावरण मुहैया करा सके। यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने तीन महत्वपूर्ण बातें की हैं जिसे रेखांकित करना अवश्यक लगता है। पहला, ये समय रूपांतरकारी कार्रवाई का है जिससे महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध हिंसा का अन्त हो। दूसरा, देशों की सरकारों से महिला अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और आंदोलनों के लिए, वर्ष 2026 तक, धन की सहायता में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का आग्रह और तीसरा, विश्व से महिलाओं अधिकारों के समर्थन में मज़बूत रुख़ अपनाने और अपनी आवाज़ें बुलंद करने का आग्रह.. साथ ही गर्व के साथ ये घोषित करने की बात कि हम सभी महिलावादी हैं।

यह तीनों बातें गाँठ बांधने वाली हैं यानी दिल से लेने वाली बातें हैं किन्तु स्वघोषित कल्याणकारी राज्य कितना अमल करेंगे, महिलावादी संगठन कितना अमल करेंगे और हम खुद कितना महिलावादी बनकर स्त्रियों को बराबरी का सम्मान दे सकेंगे, यह तो वक्त बताएगा क्योंकि हम नारों में पूरी पृथ्वी के कल्याण का भरोसा दे डालते हैं किन्तु कर्तव्य-निरवाह में उतने ही पैर पीछे खींच लेते हैं। दुनिया का अधिकांश लक्ष्य इसलिए नहीं हासिल हो सका क्योंकि हम मन से उतना सच्चे नहीं हो सके जितना होना चाहिए था। आखिर, ये शाम कब ढलेगी? कब बीतेगी रात और कब होगी एक नई भोर, स्त्रियों के लिए? स्त्रियाँ कुछ नहीं चाहती उन्हें तो केवल अपने हिस्से का अधिकार और गरिमा मिल जाए। वे अब आठ अरब लोगों से अपने आत्मबोध को प्रदान करने की उम्मीद करती हैं। वह हिंसा और पाबंदी की हर चहरदीवारी से निकलना चाहती हैं, बस।

पर्यावरण

ललित गर्ग

लेखक स्तंभकार हैं।

जलवायु संकट के लिये अमीर देशों की उदासीनता खतरनाक

जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर मिस्र के अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-27) में देखने को मिली। दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। कॉप-27 में मौसम में अप्रत्याशित बदलाव के कारण गरीब देशों को हुए नुकसान पर चर्चाएं हुई, इस तरह का नुकसान गरीब देश ही भुगतते हैं। इस सम्मेलन में इसकी भरपाई के लिए धन मुहैया कराने समेत अन्य अहम मुद्दों को लेकर गतिरोध ने इस कड़वे यथार्थ एवं खौफनाक सच को फिर रेखांकित कर दिया कि अमीर एवं शक्तिशाली देश इस वैश्विक समस्या के प्रति उदासीन है। गंभीर से गंभीरतर होते इस संकट को लेकर सम्मेलन के समापन पर 'नुकसान और क्षति' कोष स्थापित करने पर सहमति भले ही बन गई, लेकिन यह कोष कब तक बनेगा, कौन इसमें सहयोगी होंगे और किस तरह काम करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। सम्मेलन में स्वीकार किया गया कि पिछले सम्मेलन में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए जो संकल्प किया गया था, वह पूरा नहीं हो सका। इसलिये एक बार फिर सभी 197 देशों ने कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाने का संकल्प किया है। कॉप-27 से इसलिए भी काफी उम्मीदें थीं कि जलवायु परिवर्तन से पिछले एक साल में दुनिया में हालात ज्यादा गंभीर हुए है, बिगड़े हैं। दरअसल कार्बन उत्सर्जन घटाने एवं जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर अमीर देशों ने जैसा रुख अपनाया हुआ है, वह इस संकट को गहराने वाला है। जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी भी नहीं चेते तो यह समस्या हर देश, हर घर एवं हर व्यक्ति के जीवन पर अंधेरा बनकर सामने आयेगी।

भारतीय उपमहाद्वीप और कई यूरोपीय देशों को भीषण गर्मी तथा बाढ़ की मार झेलनी पड़ी है। भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। दिल्ली-एनसीआर और इसके पड़ोसी राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या भी जलवायु परिवर्तन से जुड़ी है। भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की पूर्व में जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया था कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं, इन प्राकृतिक आपदाओं के शिकार गरीब ही अधिक होते हैं, गरीब लोग प्राथमिक विपदाओं का दंश नहीं झेल पा रहे और अपनी जमीनों से उखड़ रहे हैं। गरीब लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। विस्थापन लगातार बढ़ रहा है। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं,

जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

भारत का पडौसी देश पाकिस्तान तो इतिहास की सबसे विनाशकारी बाढ़ से अब तक नहीं उबर पाया है। धरती की आबो-हवा बिगाड़ने में रूस-यूक्रेन युद्ध ने आग में घी का काम किया है। इस युद्ध से गैस की सप्लाई में बाधा के कारण कोयला आधारित बिजलीघरों को फिर सक्रिय करना पड़ा। इससे यूरोपीय देशों में मौसम इतना गर्म हुआ कि कई नदियों का पानी सूख गया। कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए दुनियाभर में कोयले का इस्तेमाल घटाने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि युद्ध ने कोयले का इस्तेमाल कई गुना बढ़ा दिया। एक बड़ा सवाल उठना लाजिमी है कि शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य आखिर हासिल कैसे होगा? पर्यावरण के बिगड़ते मिजाज एवं जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों ने जीवन को जटिल बना दिया है। गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए विकसित देशों को गरीब मुल्कों की मदद करनी थी। इसके लिए 2009 में एक समझौता भी हुआ था, जिसके तहत अमीर देशों को हर साल सौ अरब डालर विकासशील देशों को देने थे। पर विकसित देश इससे पीछे हट गए। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने की मुहिम को भारी धक्का लगा। इसलिए अब समय आ गया है जब विकसित देश इस बात को समझें कि जब तक वे विकासशील देशों को मदद नहीं देंगे तो कैसे ये देश अपने यहां ऊर्जा संबंधी नए विकल्पों पर काम शुरू कर पाएंगे।

पर्यावरण के निरंतर बदलते स्वरूप ने निःसंदेह बढ़ते दुष्परिणामों पर सोचने पर मजबूर किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है। इसीलिए कॉप-27 में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को कहना पड़ा कि हमारी पृथ्वी एक तरह से जलवायु अराजकता की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि इंसानी सभ्यता के सामने अब सिर्फ 'सहयोग करने या खत्म हो जाने' का विकल्प बचा है। जाहिर है, पानी सिर के ऊपर से गुजर चुका है। सभी देश कार्बन उत्सर्जन की रोकथाम के साथ-साथ ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने और जैव विविधता के नुकसान को खत्म करने के प्रयासों को जितना तेज करेंगे, उसी में सबकी भलाई है। इसके लिए वैश्विक महाअभियान इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा एवं विश्व के शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम जलवायु परिवर्तन के संकट से निपट सकेंगे अन्यथा यह विश्व मानवता के प्रति बड़ा अपराध होगा, उसके विनाश का कारण बनेगा।

मिठास भरे प्रस्ताव और अतिथि आमंत्रण

कटाक्ष

डॉ. सुधाकर आशावादी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अपने परम मित्र प्रखर जी ने जैसे तैसे एक काव्य संग्रह प्रकाशित कराया। उनकी बरसों पुरानी साध पूरी हुई, अन्यथा अब तक वह अनेक विमोचन समारोहों में इस उद्देश्य से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहे,कि निकट भविष्य में जब उनकी साहित्यिक कृति प्रकाशित होगी, तब वे भी विमोचन समारोह का आयोजन करके साहित्य जगत में अपनी विशिष्टता सिद्ध करेंगे। सो वह घड़ी आ ही गई, जब विमोचन समारोह के आयोजन की तैयारी हेतु परामर्श के लिए मुझे अपने घर पर आमंत्रित किया। कुशलक्षेम के उपरांत वह सीधे मूल विषय पर आ गए, सो बोले - 'मैं अपनी पुस्तक का ऐसा विमोचन समारोह करना चाहता हूँ कि समारोह अनंत काल के लिए सबकी स्मृतियों में बसा रहे ?' मैंने कहा - 'इसमें कौन सी बड़ी बात है, यह आपकी खर्च करने की क्षमता पर निर्भर करता है कि आप कितना खर्च करते हैं, आपने सुना नहीं कि जितना गुड़ डालोगे मिठास उतनी ही बढ़ेगी।' वह बोले - 'गुड़ और मिठास की नहीं, मैं पुस्तक के विमोचन समारोह की बात कर रहा हूँ।' मैंने कहा- 'मैं भी समारोह की सफलता के उपाय की बात कर रहा हूँ।' वह बोले - 'सही है, पहले सूची बना लेते हैं, कि किन किन लोगों को आमंत्रित करना है, उनके लिए कौन कौन सी व्यवस्था करनी है।' मैंने कहा- ' मित्र पहले यह याद कीजिये कि अब तक आप जितने भी विमोचन समारोह में गये हैं, उनमें अतिथियों के लिए कैसी व्यवस्थाएं की जाती रही हैं, तनिक गंभीरता से चर्चा कर लें, फिर आयोजन की परिकल्पना करके अनुमानित व्यय का अनुमान लगाते हैं।' उन्होंने हाँ में सर हिलाया तथा डायरी लेकर बैठ गये। पहले स्थान, समय और अतिथिगण के उपस्थित होने की संभावनाओं पर विचार करना अपेक्षित था, सो डायरी में अतिथिगण के नाम लिखने की प्रक्रिया प्रारम्भ की। एक एक संभावित अतिथि के नाम पर विचार विमर्श करके यह सुनिश्चित हो जाने पर ही उसका नाम डायरी में लिखा गया, कि अमुक अतिथि के आने से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ेगी। काफी मशक्कत के उपरांत लगभग पचास अतिथि ही आमंत्रण के योग्य समझे गये। उनकी हैसियत के अनुरूप उपयुक्त स्थल की खोज की गई तो निर्णय लिया गया कि महानगर की पाश कॉलोनी में बने वातानाकूलित सभागार से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता।

सभागार के व्यवस्थापकों से बात की तो प्रखर जी के पैरों तले से धरती खिसकती प्रतीत हुई, क्योंकि जितना व्यय पुस्तक के प्रकाशन में आया, उससे डेढ़ गुना व्यय विमोचन समारोह के आयोजन हेतु अनुमानित किया गया था। प्रखर जी मरते क्या न करते, उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जनम करम में एक ही काव्य संग्रह प्रकाशित हो सका है, यदि इसका ही समुचित प्रचार नहीं किया गया, तो इसे प्रकाशित कराने का लाभ ही क्या है। मुझे भी प्रखर जी की बात में दम प्रतीत हुआ, सो मैंने भी उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कहा - 'प्रखर जी, पैसा या तो बात को या स्वाद को, एक बार में ही ऐसा धांसू विमोचन समारोह कर दीजिए कि शहर के गणमान्य साहित्यकार, दिग्गज समाजसेवी, प्रबुद्ध पत्रकार भी दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर हो जाएं।'

वह उत्साहित होकर बोले - 'और बताओं कि विमोचन समारोह में चार चाँद कैसे लगाए जा सकते हैं ?' मैंने कहा - 'कुछ अधिक नहीं, अति विशिष्ट साहित्यकारों के सम्मान के लिए कुछ गर्म चादरें, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह की व्यवस्था कर लीजिए। शेष सभी अतिथिगण के लिए विमोचित पुस्तक की एक प्रति तथा उपहार में स्मृति चिन्ह की व्यवस्था कर लीजिए, निमंत्रण पत्र में यह निवेदन करना अनिवार्य है कि कार्यक्रम के उपरांत स्वरुचि भोज की व्यवस्था है।? प्रखर जी की आँखे चमक उठी, वह बोले - 'गुरु मान गये।' मैंने कहा- 'क्या मान गए ?' वह बोले- 'यही कि साहित्यिक हो या सांस्कृतिक, प्रत्येक आयोजन की सफलता के लिए मिठास भरे प्रस्ताव जरुरी होते हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा रचनाकार

आत्ममुग्ध पाठक और लेखक की बातचीत कथा

दोपहर का वक्त था और मैं किसी और ख्याल में खोया था। इस उधेड़बुन से निकलने की जुगत में ही था कि अचानक एक शख्स ने मेरे कमरे में प्रवेश किया। अरे भई! वह थे टेल्हू मियां और उन्होंने शिकायती लहजे में कहा 'दो-तीन किताबें आपकी छोड़कर बाकि वरिष्ठजनों की पढ़ी है। मैंने किसी मुफट से सुनी है कि आप भी कुछ लिखते हैं। हाँ, टेल्हू मियां! मैं भी कुछ गाबरगुल्ला कलम से लिख लेता हूँ। आपको किन्तु मैं चिटपुटिया लेखक भी नहीं मानता हूँ। मैंने कहा'जी बिलकुल आपके मानने से मन्ने कुछ फर्क थोड़े ही पड़ता है। टेल्हू मियां आप पढ़ते भी हैं, इसमें मुझे संदेह है। आज तक आप ने कभी हिंदी की अपनी कोई किताबें नहीं पढ़ी थी। अचानक इतनी रूचि से हिंदी की बिंदी कैसे माथे पर सजा रहे हैं। अमा भाई! क्या मज़ाक़ करते हो? पहले पढ़ना कुछ ज़्यादा था इसलिए नहीं जोखिम लिया लेकिन आजकल बेरोजगार हूँ तो जोखिम लेकर पढ़ता हूँ। उन्होंने कहा 'जी आप ही वो लेखक महोदय जिन्हें समाचार पत्रों की कटिंग फेसबुकिया पाठकों के लिए चेपना भाता है।' मैं नई दुल्हन की तरह शर्माया और कहा'जी आप जैसे पाठक मिल जाएं तो क्या बुराई है।

टेल्हू मियां ने कहा- 'भई! मैं तो बेस्ट सेलर बुक पढ़ता हूँ क्योंकि अण्डसंड पढ़कर उल्टा दिमाग़ में दही जमेगा।' मैं अवाक रह गया अलग विचार सुनकर क्योंकि जो वर्षों से लिखकर नाम कमा रहे हैं उनका कूड़ा भी दिमाग़ के लिए घासलेट का काम करता है और दिमाग़ की बत्ती जला रहा है। जबकि हमारा लिखा उम्दा भी टेल्हू मियां फ्यूज दिमाग़ के लिए गुड़-गोबर ही है। ऐसे पाठक भी हमारे ही गोला पर निवास करते हैं। मेरी मनोदशा अनुभवी मनोचिकित्सक ही समझ सकेगा।

मेरी बात सुनकर, 'वे मेरे प्रति निराशा के भाव से ग्रसित होकर बोले' भाई आप थोड़ा-मोड़ा बेकार लिख लेते हैं और पाठकों के लिए बस कूड़ा-करकट फेंक देते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हमारी ऊपरी हवावाली पाठकीय दृष्टि पर सवालिया निशान लगाएं।' उनके तल्ख़ लहजे से मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया। मैंने माहौल को हल्कापन देने के लिए कहा 'मैं तो इसलिए बोल रहा था कि बेस्ट सेलर किताब वाले लेखक अपनी सैलरी से पूरा सेट खरीद कर स्टॉक खत्म करके ही बेस्ट लेखक का ठप्पा मार लेते हैं। उनका वास्तविक पाठक पहले ही तलाक ले चुका होता है। खैर, मुझसे क्या अपेक्षाएं हैं टेल्हू मियां। 'वे दुराग्रह से ग्रसित थे इसलिए मैंने उनसे आग्रह किया कि कुछ मेरा भी पढ़ कर कृतार्थ करें। तपाक से बोले अपनी किताबें अपने आलमारी और फेसबुक पर चेपो।

आपको लिखने का मानदेय मिलता नहीं बड़े लेखक बनने का शौक पाल लिया है। शौखिया बुलडॉग भी ऐसे ही कुछ लोग पाल लेते हैं।

उनके बोलने के उपरान्त हाथ जोड़े विनम्र प्रार्थी बनकर प्रार्थना की।लेकिन मेरी कोई भी रचनाएँ न पढ़ने हेतु प्रतिबद्ध दिखे। शनैः-शनैः उनकी बातों में सामान्य लेखक से भी नदारद होने लगा था। उनकी बात समाप्ति के बाद उनका सम्मान जूते की माला पहनाकर करने का मन होने लगा था। टेल्हू बोले सब कुछ कह दिया हूँ। बस जान लो मैं जिस भी किताब का आवरण पृष्ठ देखकर ही किताब का मज़मुन भाँप लेता हूँ। किसी मोह में अपन नहीं पढ़ता। हालांकि मैं महिला लेखिकाओं का बहुत सम्मान करता हूँ। इसलिए उनकी रचनाओं पर बिना पढ़े ही कूद पड़ता हूँ। किताबें बिना झाँके ही उनके आमंत्रण को लार टपका के स्वीकार कर लेता हूँ। उनको चेप देता हूँ मलाई का लेप और स्वीकार कर लेती हैं मित्रता की टोपी। कभी-कभी वो भी टोपीबाज होती हैं। उलटा ही अमेज़ॉन लिंक पकड़ा के जेब हल्का करा देने की चलबाज़ी करती हैं। उनकी किताबें खाली होती हैं। इनपुट नदारद और आउटपुट का छौक लगा रहता है।

मैं दुःखी मन से उनको विदा करने की जुगाड़ किया और उनके खिसकते ही मन ही मन निश्चय किया कि भविष्य में भले ही टेल्हू मियां मुलाक़ात हो जाए लेकिन अपनी किताबें उन्हें कदापि नहीं सौपूँगा।

मुद्दा

वाणी अमित जोशी

(सामाजिक विषयों की लेखिका)

नाईट कल्चर की चमक में कहीं खो न जाए नई पीढ़ी!

'बदलाव' ऐसा शब्द है जो बहुत आसानी से बोल तो दिया जाता है! लेकिन, इसे स्वीकारना उतना ही मुश्किल है। शहरों में हर तरह का कल्चर बदल रहा है। दिन में खुलने वाला बाजार रात में भी खुलने लगा। किसी भी व्यवस्था के लिए बाजार का स्वरूप बदलना तो आसान है, पर इसकी चुनौतियों से मुकाबला करना नहीं! नाईट कल्चर यानी एक पूरी नई तरह की सोच है। इसका पुरानी पीढ़ी पर तो असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनकी खरीददारी दिन में ही हो जाएगी। लेकिन, नई पीढ़ी पर नाईट कल्चर ज्यादा असर डालेगी। क्योंकि, उनका सोच कच्चा होने के साथ इसे आत्मसात करने वाला नहीं है। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ती है कि वे बदलाव के सकारात्मक और नकारात्मक परिणामों से अपने बच्चों को अवगत कराएं!

जब भी बदलाव की लहर दौड़ती है, तो उसका प्राथमिक बिंदु होता है नवाचार। पूरी दुनिया नवाचार के पीछे भागने लगती है। किंतु, लोग परिणाम के बारे में नहीं सोचते। नवाचार के परिणाम सदैव सुखद हो, यह कतई आवश्यक नहीं। नाईट कल्चर भी कुछ ऐसा ही विषय है। यह आज का नहीं अपितु मेट्रो सिटी में यह कल्चर कई सालों से चल रहा है। बल्कि, हम विदेशों की बात करें तो ऐसे कई लोग है जिनकी आजीविका का साधन ही नाईट शिफ्ट में जॉब करना है। इन दिनों नाईट कल्चर जैसे विषय पर बहुत बात हो रही है। दरअसल, नाईट कल्चर मुद्दा नहीं है। अगर विषय की बात की जाए तो जैसे-जीवन है वैसे मृत्यु है। और जैसे सुख है तो दुख भी है। उसी प्रकार अगर डे-कल्चर है तो नाईट कल्चर भी हैं। सवाल उठता है कि क्यों नाईट कल्चर को लेकर इतना बवाल मच रहा है।

आज का युवा इतना स्वच्छंद है कि उसे अपने जीवन को अपने तरीके से व्यतीत करने के लिए नाईट कल्चर को ही अपनाने की आवश्यकता नहीं है। उसे जो शौक पूरे करना है, वह दिन में ही कर सकता है। कर भी रहा है। सवाल उठता है कि वह जो कर रहा है वह सही है या नहीं। इस चीज के लिए जिम्मेदार कौन है। बस यही शिक्षा जो है प्राथमिक शिक्षा कहलाती है जो हमें अपने घर से ही बच्चों को देनी होती है। मां-बाप को ही अपने बच्चों को सही और गलत की परिभाषा ठीक तरह से बताना होगी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है आज के परिजनों का अपने बच्चों के साथ खुलकर संवाद नहीं हो पाना। सभी की दिनचर्या इतनी बदल गई है कि बच्चा अपने में व्यस्त हैं और माता-पिता अपने में। बचे रात के कुछ एक-दो घंटे होते हैं जो रात्रि भोजन के होते हैं उस समय में भी घर का हर सदस्य अंतरजाल में उलझा हुआ है। किसी का एक-दूसरे से संवाद ही नहीं हो रहा। हम उसे 'कम्युनिकेशन गैप' भी कह सकते हैं।

किसी भी समझाइश के लिए संवाद सबसे जरूरी है। यह बदलाव इस तरीके से भी हो सकते है कि प्राथमिक स्तर पर स्कूलों में जाकर बच्चों के लिए जागरूकता अभियान चले। जिस प्रकार से गुड-टच, बैड-टच के बारे में पूरी दुनिया में बच्चों को बताया जाता है, उसी तरह से छोटे-छोटे विषयों के माध्यम से भी उन्हें सही और गलत बातों के बारे में समझाया जा सकता है। बल्कि, आजकल सोशल मीडिया के माध्यम से शॉर्ट फ़िल्में बनाकर इन्हीं विषयों पर बच्चों को शिक्षा दी जा सकती है। ऐसी शार्ट फ़िल्में दिखाएं जो रियल घटनाओं पर बनी हों! जो वास्तविक घटनाएं घटी हैं उन्हीं को फिल्मों में रूपांतरित कर बच्चों को एक उदाहरण के तौर पर समझाया जाए कि किस प्रकार छोटी-छोटी गलतियों से उनके भविष्य पर बुरा असर हो सकता है। इस तरह से समझाने पर कुछ बदलाव आना तो तय है।

बड़े शहरों में नाईट कल्चर व्यवसाय की दृष्टि से तो ठीक है। लेकिन, सामाजिक दृष्टिकोण से इसे सही नहीं कहा जा सकता। क्योंकि, इससे नई पीढ़ी पर गलत प्रभाव पड़ता है। बीते दिनों इंदौर में एक घटना हुई, जिसमें तीन लड़कियां एक लड़की को बुरी तरह से पीट रही थी। उसका वीडियो वायरल हुआ। बाद में जो कार्रवाई हुई वो अलग बात है। सवाल यह उठता है कि लड़कियों में सरेआम ये करने की हिम्मत कैसे आई! एक बात यह भी कि क्या वीडियो बनाने वाले ने एक बार भी नहीं सोचा कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसे रोकना चाहिए। हमारे यहां पहले सोशल मीडिया पर घटनाओं के वीडियो वायरल होती है, फिर वे परिसंवाद का विषय बनते हैं। टीवी, न्यूज़ चैनल पर मंच पर सामाजिक संगठन के पैरोकार उस पर वाद-विवाद करते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं। किंतु इस बात पर कभी ध्यान नही दिया जाता है कि जो व्यक्ति वीडियो बना रहा था या आसपास घटना घटित होते देख रहा था। क्या उसकी जिम्मेदारी नहीं बनती थी कि उसे उन्हें रोकना चाहिए था न कि वीडियो बनाना।

बदलाव की श्रृंखला बहुत लंबी और जटिल है। वास्तव में तो पूरे सिस्टम में ही बदलाव की जरूरत है। किंतु, अगर भटकाव से बचाने के लिए बदलाव करना है तो शुरुआत घर से ही परिजनों को ही करनी होगी, तभी परिणाम सुखद हो सकते हैं। आजकल बहुत आसानी से परिजन ही बच्चों के दिमाग में यह संदेश डालते है कि जिस प्रकार का जीवन हमने व्यतीत किया हम अपने बच्चों को उससे बेहतर जिंदगी देंगे। बेशक यही तो जिंदगी का फलसफा है कि आप खुद से बेहतर जिंदगी अपनी आने वाली पीढ़ी को दें। किंतु, कम से कम आप उसे अपनी संस्कृति अपनी वेशभूषा से परिचित करवाएं, उसे स्वतंत्रता और स्वच्छंदता के बीच जो छोटा सा अंतर है उसे बहुत ही गहराई से समझाएं।

यहां पर माता पिता होने के नाते जिम्मेदारी आपकी इसलिए होती है। क्योंकि, बच्चों की वही उम्र होती है जहां पर बहुत आसानी से वे दिशा पकड़ते हैं। वे कौन सी दिशा पकड़ रहे हैं इस पर भी हमारा पूरा ध्यान होना चाहिए। अगर हम उन्हें बाहर एजुकेशन के लिए भेज रहे हैं, तो संभव हो तो एक परिवार जन उनके साथ रहे। हमें उनकी गतिविधियों पर ध्यान रखना चाहिए। उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वे अपने मन की बात आपके साथ खुलकर साझा कर सकें। हम पूरा सिस्टम तो नहीं बदल सकते किंतु छोटे-छोटे प्रयासों से कुछ बदलाव तो कर ही सकते हैं। जब हम बदलेंगे तो समाज बदलेगा और इसी तरह बदलाव आता रहेगा।

थैंक्स गिविंग डे

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

धन्यवाद देना और पाना ही हमारा बैंक बैलेंस

धन्यवाद! एक ऐसा शब्द जो एक अलग तरह की महीनता लिए हुए है। कई बार ऐसा होता है कि सिर्फ एक शब्द ही पूरी किताब बुन देता है और धन्यवाद ऐसा ही शब्द है। एक भरा पूरा शब्द जो किसी भी तरह के सहयोग, सेवा का माल्यार्पण है। हम प्रसन्न होते हैं किसी का सहयोग पाकर और हमारे अंदर भी बहुत कुछ फेलता है वही कह देता है धन्यवाद। हो सकता है आपके कहने से पहले आपका शरीर ही कह देता हो धन्यवाद। इसलिए शायद बॉडी लैंग्वेज जैसा शब्द आया होगा। क्योंकि ऐसे अपनेपन, कृतज्ञता को कैसे अभिव्यक्त करें। उसके लिए ही धन्यवाद शब्द का आविष्कार हुआ होगा। धन्यवाद शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन शब्द ग्रेटिया से हुई है जो कृतज्ञता, शालीनता और कृपा शब्दावली से संबंधित है। इस लैटिन मूल शब्द का तात्पर्य 'दया, उदारता और उपहार देने और प्राप्त करने की सुंदरता' से है। यह शब्द धन्य और वाद के समासीकरण से बना है। इसका समास विग्रह करेंगे तो सामने आएगा-धन्य, ऐसा वाद। धन्य का मतलब कृत या कृतार्थ। धन्य + वाद = धन्यवाद। यह संस्कृत का समस्त पद है। आइये इस शब्द को समझते हैं- (धन्य- धन् + यत)- धनी, धन प्रदान करने वाला, महाभाग, ऐश्वर्यशाली, सौभाग्यशाली, श्रेष्ठ। वैसे थेंक्स शब्द के बारे में देखें तो पाते हैं कि इसका उद्गम 12 वीं शताब्दी में हुआ। इसका वृहद सदर्भ में अर्थ है 'आपने जो मेरे लिए किया वो मैं याद रखूँगा।'

किसी भी कार्य के बदले भावनाओं को त्वरित अभिव्यक्त करने का सबसे श्रेष्ठ माध्यम है आभार या धन्यवाद ज्ञापित करना। संबंधों की प्रगाढ़ता को यही धन्यवाद चार चांद लगा देता है। धन्यवाद की अनुपस्थिति संबंधों को रूखा कर सकती है और सेवा या किसी कार्य को भविष्य में उसी भाव से करने में व्यवधान पैदा कर सकती है। धन्यवाद का भाव कभी एहसान या उससे उत्पन्न होने वाले घमंड से परे है। एक छोटे से लेकर कोई भी बड़ा सहयोग जिसमें स्वार्थ की मात्रा न के बराबर हो उसके बाद उत्पन्न भाव ही धन्यवाद का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जितने धन्यवाद आप कमाते हैं वही आपकी असली कमाई है। क्योंकि यह सीधे-सीधे तत्काल किसी की मदद और किसी को किसी भी परिस्थिति में मदद से जुड़ा है। यहॉं कोई दूसरे के लिए कुछ ऐसा कर रहा है कि सामने वाले का मन आपके लिए एक अलग प्रकार की श्रृद्धा से भर रहा है। यह श्रृद्धा किसी के विष्वास को भी मजबूत करती है।

एक मनोवैज्ञानिक प्रयोग में एक दुकानदार द्वारा सिर्फ धन्यवाद कहने के लिए सालाना जलसा रखा और आपे ग्राहकों को भेज भी करवाया। इससे ही उनकी ग्राहकी में सत्तर प्रतिशत बढ़ोतरी देखी गई। धन्यवाद जब अनअपेक्षित मिलता है तो उसमें खुशी का एहसास ज्यादा होता है। अनजानी जगह, अनजाने लोगों के बीच कोई अनजानी सहायता करने के बाद मिले धन्यवाद का एहसास अलग ही सीमा का होता है। यह हमारे अंदर जोश आत्मविश्वास अपनापन भर देता है। ऐसे समय लगता है इस दुनिया में कोई पराया है ही नहीं, सब अपने हैं। सूक्ष्म स्तर पर देखा जाय तो ऐसा है भी, हम सब एक दूसरे के लिए और एक दूसरे से ही बने हैं। इसलिए सारे धर्मों में भी धन्यभागी बन जाने पर जोर दिया गया है। यहूदी धर्म में दो उक्तियॉं हैं जिनमें कहा गया है, 'हे परमेश्वर मैं तुम्हें हमेशा धन्यवाद दूॅंगा' ईसाई धर्म में धन्यवाद को नैतिक गुण माना गया है जो केवल भावनाओं और विचारों का ही नहीं बल्कि कर्म और कार्यों का भी विकास करता है। इसी तरह पैगम्बर मोहम्मद कहते हैं जीवन में प्रचुरता के लिए आप धन्यवाद करते हैं तो यह आश्वासन है कि यह प्रचुरता जारी रहेगी। सनातन धर्म कहता है कि जो लोग अधिक धन्यभागी होते हैं उनका कल्याण का स्तर उच्च होता है। आभारी लोग ज्यादा खुश, कम उदास, कम थके हुए और अपने जीवन और सामाजिक रिश्तों से अधिक संतुष्ट होते हैं। धन्यभागी लोगों में अपने वातावरण, व्यक्तिगत विकास, जीवन के उद्देश्य और आत्म स्वीकृति के लिए भी नियंत्रण स्तर उच्च होता हैं। धन्यभागी लोगों के पास जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करने के लिए अधिक सकारात्मक तरीके होते हैं, उन्हें अन्य लोगों से समर्थन मिलने की संभावना अधिक होते है, वे अनुभव की पुनः व्याख्या करते है और उससे आगे बढ़ते है और समस्या के समाधान के लिए योजना बनाने में अधिक समय लगते हैं।

कई ऐसे अध्ययन बताते हैं कि धन्यवाद देने का भाव जिन लोगों में प्रबल होता है उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा व चारित्रिक विशेषता ज्यादा होती है। ऐसे लोगों में गुणात्मक विकास बहुत ज्यादा होता है। धन्यवाद भी संक्रामक की श्रेणी में आता है। यदि कोई किसी को धन्यवाद ज्ञापित कर रहा है तो सच मानिए तीसरा व्यक्ति भी इसके लिए स्वतः प्रेरित होता है। वास्तव में देखा जाय तो एक छोटा सा शब्द हमारे मन पर सकारात्मक गहरी छाप छोड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हमारे हिस्से में भी बहुत सारे धन्यवाद आएं और हम भी बहुत सारे धन्यवाद कर सकें। धन्यवाद पाना और देना दोनों ही हमारे सच्चे बैंक बैलेंस हैं जो हमारे साथ जाने वाले हैं।

शादी के नाम पर बिकती लड़कियां

दृष्टिकोण

सीटू तिवारी, पटना

शादी के नाम पर पहले बेची गई और फिर कुछ महीनों बाद ही पति के हाथों ही जिस्मफरोशी के दलदल में धकेल दी गई 26 साल की राधा (बदला हुआ नाम) को अपनी 9 साल की बच्ची के जैविक पिता के बारे में नहीं मालूम. अररिया (बिहार का एक अति पिछड़ा जिला) से तकरीबन 1200 किलोमीटर दूर आगरा के एक नामालूम कोठे पर चंद रूपए की लालच में उसके पति मुकेश शर्मा ने ही बेचा था. मुकेश उत्तर प्रदेश का रहने वाला था. उसने पहले राधा को शादी के नाम पर खरीदा और फिर कोठे पर बेच दिया. खेत मजदूर पार्वती देवी की मंझली बेटी राधा बताती है, 'जब मैं आठवीं में पढ़ती थी, उसी समय पिता की मृत्यु हो गई थी. एक दिन पांच लोग गाड़ी से हमारे घर आए और बगल वाले मंदिर में मेरी शादी हो गई. उसी रात वो मुझे अपने साथ ले गए. शादी के 6 महीना तक ठीक से रखा, लेकिन फिर मारपीट का सिलसिला शुरू हो गया और फिर एक दिन उसने मुझे आगरा के किसी कोठे पर बेच दिया'.

राधा यहां एक साल तक रही. इसके बाद वो एक चाय बनाने वाली किसी बूढ़ी दादी की मदद से भाग कर मां के पास अररिया आ गई. वह बताती है, 'घर का पता पूछते पूछते और भीख मांग कर किसी तरह मां के घर आ गई. यहां आने पर पता चला कि मैं दो महीने की प्रेग्नेंट हूं. वह कहती है कि मैंने अपनी बच्ची को पेट में मारा नहीं. अब मैं एक छोटे से दुकान से कुछ कमाई करके अपनी बच्ची को पढ़ाती हूं. लेकिन मेरे भाई भाभी मुझे पीटते हैं और घर छोड़कर जाने को कहते हैं.' खुद को मोहल्ले के 'शोहदों' से बचाने के लिए सिंदूर लगाने वाली राधा अब 40 वर्ष की हो चुकी है.

राधा के साथ जो गुजरा, उसे अकादमिक भाषा में 'ब्राइड ट्रैफिकिंग' कहते हैं, जबकि स्थानीय लोग इसे 'दलाल वाली शादी' कहते हैं. ब्राइड ट्रैफिकिंग यानी शादी के नाम पर तस्करी. भारत के उत्तर पूर्व राज्य बिहार में ब्राइड ट्रैफिकिंग यानी झूठी शादी के मामले आम हैं. खासतौर पर पश्चिम बंगाल से सटे सीमांचल के ज़िलों यानी किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे किस्से आम हैं. जहां लगभग हर साल बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के चलते गरीबी का कभी ना टूटने वाला दुष्चक्र लोगों की जिंदगी में रचा बसा है. नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि बिहार की 51.91फीसदी यानी आधी से ज्यादा आबादी मल्टी पावर्टी इंडेक्स (एमपीआई) की जद में है. यह देश में सबसे अधिक है. वहीं बिहार इकोनामिक सर्वे 2021-22 में राज्य के अंदर जो विषमताएं हैं उसके मुताबिक सीमांचल के अररिया और किशनगंज ज़िलों की हालत सबसे बदतर है. इस गरीबी से उभरने की ज्यादातर 'असफल' कोशिश में मां-बाप अपनी बेटियों को कुछ हजार रुपये लेकर शादी के नाम पर बेच देते हैं. कभी ये सौदा पांच हजार का तो कभी तीस चालीस हजार तक भी पहुंच जाता है.

बीते दो दशक से 'भूमिका विहार' नाम की संस्था इस इलाके में ब्राइड ट्रैफिकिंग को रोकने की दिशा में काम

कर रही है. इस संबंध में संस्था की प्रमुख शिल्पी सिंह बताती हैं कि, 'ऐसे मामलों में अधिकतर जान पहचान या करीबी रिश्तेदार ही दलाली करते हैं. ऐसे लोग अपने इलाके में आर्थिक तौर पर कमजोर परिवारों पर नजर रखते हैं और परिवार के मुश्किल में आने पर ये लोग बच्चियों के माता-पिता या किसी रिश्तेदार को पैसे का लालच देकर दूसरे राज्य के किसी पुरुष से शादी करा देते हैं. लड़कियों के माता पिता को कुछ हजार रकम देकर चोरी छिपे शादी की रस्म अदायगी होती है.' इन शादियों का कोई सार्वजनिक उत्सव नहीं होता है. ज्यादातर मां बाप या रिश्तेदार भी इस बात को नहीं जानते कि उनकी बेटी की शादी कहां हो रही है?

साल 2016-17 में संस्था ने अररिया और कटिहार में दस हजार परिवारों के सर्वे में 142 मामले ऐसे पाए थे. इसमें सबसे ज्यादा शादियां उत्तर प्रदेश में और फिर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब में हुई थी. इन शादियों में कुछ खुशकिस्मत लड़कियां भागकर वापस अपने मायके आ गईं तो कुछ पर 'लापता' का ठप्पा लग जाता है. 35 साल की श्यामा (बदला हुआ नाम) उन्हीं खुशकिस्मत लड़कियों की श्रेणी में आती है. वो अपने तीन बच्चों को लेकर मायके वापस भाग आई है.लेकिन उसकी इस 'खुशकिस्मती' में भी बहुत मुश्किल और थका देने वाली जिंदगी शामिल है.

25 साल की जमुना (बदला हुआ नाम) भी थाने नहीं जाना चाहती है. उसकी मां रूखिया देवी उसे शादी के नाम पर बेचने पर बात नहीं करना चाहती है. लेकिन जमुना साफ साफ बताती है कि, 'मुझे 8,000 में बेचा था पंजाब में. मेरा दूल्हा हमको सबके साथ संबंध बनाने को कहता था. हम भाग आए लेकिन थाने जाएंगे तो अपने मां-बाप का नाम भी आएगा. फिर अपना खाना पीना देखें या थाना.' इस संबंध में अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह कहते हैं, 'ऐसे मामले पुलिस के संज्ञान में नहीं आते हैं.शादी की नियत से अपहरण या इसी तरह के मामले जरूर आते हैं जिस पर कानून सम्मत कार्रवाई भी होती है. लेकिन दूसरे राज्यों से दूल्हे के मामले नहीं आते हैं.' साफ है कि ऐसे मामलों में कोई प्रभावी कानूनी शिकंजा नहीं है. वहीं दूसरी ओर ऐसा लगता है कि इस अपराध को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है. इसका उदाहरण साल 2014 में एक बड़े राष्ट्रीय पार्टी की हरियाणा इकाई के नेता का वह विवादित बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'हरियाणा में अगर उनकी पार्टी चुनाव जीतती है तो राज्य के नौजवानों की शादी के लिए बिहार से लड़कियां लाई जाएंगी'.

अररिया से गुजरने वाली एनएच 27 के किनारे अपने छोटे-छोटे घरों में बसी राधा, श्यामा, जमुना जैसी लड़कियों की एक बड़ी तादाद मौजूद है.इन्होंने अपने इस नरकीय जीवन को ही अपनी किस्मत मान लिया है. लेकिन क्या वह सभी अपनी जिंदगी से कुछ चाहती हैं? क्या अपने बच्चों के लिए कुछ उम्मीदें रखती हैं? जवाब में तीन बच्चों की मां श्यामा न तो रोजगार, न स्वास्थ्य और ना ही शिक्षा की बात करती है. बल्कि ठंडी सांस भर कर शून्य में ताकती सिर्फ इतना कहती है, 'मेरी बेटी की शादी कहीं नजदीक में ही हो जाए. मैं किसी भीख मांगने वाले आदमी से उसकी शादी करा सकती हूं, लेकिन दूसरे देस (देश) में शादी नहीं करूंगी.' शायद उसके इस दर्द को सरकार और अधिकारी समझने में असफल हैं क्योंकि अगर ऐसा होता तो अब तक 'ब्राइड ट्रैफिकिंग' के मामलों को सख्ती से रोकने के लिए धरातल पर असर नज़र आ चुका होता.

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक पत्रकार हैं।

खोखले साबित हो रहे हैं महिला सुरक्षा के तमाम दावे

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हम ऐसे समय मना रहे है जब देश की राजधानी दिल्ली में एक महिला की टुकड़े टुकड़े कर हत्या से पूरा देश सदमे में है। सत्य तो यह है लाख प्रयासों के बावजूद महिला हिंसा में कोई कमी परिलक्षित नहीं हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार साल 2021 में दुनिया भर में तीन में से एक महिला घरेलू हिंसा का दंश झेलती है यानी करीब 73 करोड़ महिलाएं प्रतिदिन अपने जीवनसाथी द्वारा की गई शारीरिक, भावनात्मक और यौन हिंसा का शिकार बनती हैं। महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिये हर साल 25 नवंबर को दुनिया भर में अंतर्राष्टीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। वैश्विक स्तर पर आंकड़ों का विश्लेषण करें तो बेहद डरावनी स्थिति से रूबरू होना पड़ेगा। आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में हर साल 15-19 आयु सीमा की लगभग डेढ़ करोड़ किशोर लडकियाँ अपने जीवन में कभी-न-कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। तीन अरब महिलाएँ वैवाहिक बलात्कार की शिकार होती हैं। हिंसा की शिकार 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है। प्रतिदिन 3 में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है।

भारत को संस्कार, संस्कृति और मर्यादा की त्रिवेणी कहा जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी अस्मिता को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता। अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। मगर आज सब कुछ उल्टा पुल्टा हो रहा है। न नारी की पूजा हो रही है और देवताओं की जगह सर्वत्र राक्षस ही राक्षस दिखाई दे रहे है। समाज के नजरिए में भी महिलाओं के प्रति अब तक कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऐसा लगता है जैसे हमारा देश भारत धीरे-धीरे बलात्कार की महामारी से पीड़ित होता जा रहा है। यौन अपराध चिंताजनक रफ्तार से बढ़ रहे हैं। पिछले चार दशकों में अन्य अपराधों की तुलना में रेप की संख्या में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और दोषियों को सजा देने के मामले में हम सबसे पीछे हैं। दो साल की बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक दुष्कर्म की शिकार हो रही है। ऐसे में कानून के पालनहार कोई सख्त कदम उठाने के बजाय अपनी गलतियों को छिपाने के लिए नित नए बहाने ढूंढ रहे है।

आजकल रोज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ की खबर दिखाई जाती रहती है परंतु इसकी रोकथाम के उपाय पर चर्चा कहीं नहीं होती है। इस तरह के अत्याचार कब रुकेगें। क्या हम सिर्फ मूक दर्शक बन खुद की बारी का इंतजार करेंगे। लड़कियों पर अत्याचार पहले भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं अगर इसके रोकने के कोई ठोस उपाय नहीं किये गये। आज भी हमारे समाज में बलात्कारी सीना ताने खुले आम घूमता है और बेकसूर पीड़ित लड़की को बुरी और अपमानित नजरों से देखा जाता है । न तो समाज अपनी जिम्मेदारी का माकूल निर्वहन कर रहा है और न ही सरकार। ऐसे में बालिका कैसे अपने को सुरक्षित महसूस करेगी यह हम सब के लिए बेहद चिंता की बात है।

भारत में महिलाओं को देवी के सामान पूजने की परंपरा है। इसी देश में आज महिला अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। आए दिन छेड़छाड़, हत्या और बलात्कार जैसी आमानवीय घटनाएं होती रहती है। सिर्फ महिलाएं ही नहीं अब छोटी बच्चियां भी सुरक्षित नही है। थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन की एक रिपोर्ट में भारत को महिलाओं के लिए दुनिया का सबसे खतरनाक मुल्क बताया गया था। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया जारी रिपोर्ट से ज्ञात होता है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध की दर (प्रति 1 लाख जनसंख्या पर घटनाओं की संख्या) 2020 में 56.5 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 64.5 प्रतिशत हो गई। महिलाओं के विरुद्ध अपराध वर्ष 2020 की तुलना में 2021 में 15.3 प्रतिशत बढ़ गये, वर्ष 2020 में 3,71,503 मामलों के बाद पिछले साल 4,28,278 मामले दर्ज किए गए। बलात्कार के पंजीकृत मामलों की संख्या वर्ष 2021 में 31,677 हो गई है। किडनैपिंग के मामले वर्ष 2021 में 1,01,707 हो गये हैं।

सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है। देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में कमी नहीं आरही है। भारत में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। घर से लेकर सड़क तक कहीं भी महिला सुरक्षित नहीं है। देश में महिला सुरक्षा को लेकर किये जा रहे तमाम दावे खोखले साबित हुए है। महिला सुरक्षा को लेकर देशभर से रोजाना अलग-अलग खबरें सामने आती रहती हैं। देश में महिलाओं की स्थिति पर हमेशा ही सवाल खड़े होते रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के तमाम दावों और वादों के बाद भी उनकी हालत जस की तस है। महिलाएं रोज ही दुष्कर्म, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और अत्याचार से रूबरू होती है।

लायंस क्लब बैतूल महक ने बांटे कपड़े

बैतूल। सेवा कार्य में हमेशा तत्पर रहने वाली लायंस क्लब बैतूल महक की सदस्यों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालक छात्रावास खंजनपुर के छात्रों को पेंट और शर्ट वितरित किए। क्लब की अध्यक्ष डॉ निहारिका भावसार ने बताया कि इस छात्रावास में ज्यादातर ऐसे बच्चे रहते हैं जिन्होनें अपने माता या पिता को खो दिया।कुछ ने तो कोरोना महामारी में माता पिता दोनों को ही खो दिया है। ऐसी स्थिति में स्कूल के गणवेश के अतिरिक्त भी बच्चों को पहनने के लिए कपड़ो की आवश्यकता होती है। छात्रावास में सौ के लगभग छात्र रहते हैं। क्लब को श्री श्याम फ़ैशन मॉल के संचालक श्री गौरव भावसार व्दारा सौ जोड़ी पेंट और शर्ट निशुल्क उपलब्ध कराए गए। छात्रावास में क्लब व्दारा आयोजित कार्यक्रम में क्लब की जोन मिटिंग में पधारे अतिथिगण जोन चेयरपर्सन ला.राजेंद्र सिरोठिया, एमजेएफ ला. संजय सक्सेना, ला.राजेश सुखरमानी, ला. अशोक अग्रवाल, भौंरा लायंस क्लब अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी, बैतूल से एमजेएफ लायन पी.एस. बग्गा, आमंत्रित अतिथि गौरव भावसार ने बच्चों को कपड़े वितरित किए। लायन डॉ निहारिका भावसार ने क्लब की गतिविधियों से बच्चों को परिचित कराया। अतिथियों ने बच्चों से चर्चा करते हुए जीवन में सेवा के सुख को समझाया साथ ही उनकी शैक्षणिक गतिविधियों पर भी चर्चा की। बच्चों ने उत्साह पूर्वक शानदार लोकगीतों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में लायंस क्लब महक की ला.कंचन आहूजा, ला.तरूणा व्दिवेदी, ला.रंजना झोड, लियो प्रजक भार्गव, लियो आकाश सेनानी, बीएसी अभिलाषा बाथरी, सीएसी राजेश महाते,प्रधयापक संजय वडुकले,वार्डन पूनम धोटे, सहा वार्डन आत्माराम धुर्वे उपस्थित रहे।

डॉ. मंगलप्रसाद अग्रवाल का दुखद निधन

बैतूल। नेहरू युवक केंद्र के पूर्व कोर्डिनेटर प्रसिद्ध शिक्षाविद्, डॉ. भीमराव अम्बेडकर बीएड कालेज के संस्थापक एवं अग्रवाल समाज के संरक्षक डॉ. मंगल प्रसाद अग्रवाल का आज भोपाल में दुखद निधन हो गया। डॉ. अग्रवाल कुछ समय से बीमार थे। डॉक्टर अग्रवाल अपने पीछे तीन पुत्रों ध्रुवप्रकाश, मोहनचक्र एवं राहुल अग्रवाल सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा कल 11 बजे उनके निज निवास हाऊसिंग बोर्ड कालोनी से गंज मोक्षधाम के लिए निकाली जाएगी। उनके निधन पर अग्रवाल समाज बैतूल ने शोक व्यक्त किया है।

इंटरनेशनल बॉस्केट बॉल प्लेयर ने की खुदकुशी

इंदौर अग्निकांड में भाई की मौत से थी सदमे में

बैतूल। इंटरनेशनल बॉस्केट बॉल प्लेयर ने डैम में कूदकर सुसाइड कर लिया। इससे पहले उसने परिजनों को वॉइस मैसेज भेजा। इंदौर मल्टी अग्निकांड में भाई की मौत के बाद से वह डिप्रेशन में थी। कोतवाली एएसआई अवधेश शर्मा ने बताया कि प्रार्थना साल्वे (17) बुधवार शाम को घर से प्रैक्टिस के लिए मैदान जाने का बोलकर निकली थी। रात करीब 9 बजे परिजनों ने उसका वॉइस मैसेज देखा। इसमें उसने कोसमी डैम में कूदकर सुसाइड की बात कही थी। वॉइस मैसेज सुनने के बाद परिजनों ने उसकी देर रात तक तलाश की, लेकिन वह नहीं मिल सकी। प्रार्थना के पिता टीचर है।

डैम के पास लावारिस खड़ी मिली स्कूटी –परिजनों ने इसके बाद पुलिस को सूचना दी। गुरुवार सुबह फोरलेन स्थित कोसमी डैम पर एक स्कूटी लावारिस हालत में खड़ी मिली। ये प्रार्थना की थी। इसके बाद पुलिस ने होमगार्ड और SDRF के जवानों की मदद से डैम में रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे बाद उसका शव मिल सका। इंदौर मल्टी अग्निकांड में बेटे की मौत के बाद बेटी के सुसाइड से पूरा परिवार सदमे में हैं।

भाई की मौत के सदमे से उबर नहीं पाई – इंदौर की स्वर्ण बाग कॉलोनी की एक मल्टी में 7 महीने पहले एक सिरफिरे आशिक ने आग लगा दी थी। इसमें प्रार्थना के भाई देवेंद्र की मौत हो गई थी। भाई की मौत के बाद से ही प्रार्थना गुमसुम-सी रहने लगी थी। बहन का चयन नेशनल जूनियर बास्केटबॉल टीम में हुआ था। भाई उसे बैतूल से दिल्ली लेकर गया था। यहां से लौटकर इंदौर में स्वर्णबाग कॉलोनी में रहने वाले अपने दोस्त गौरव से मिलने गया और वहीं रुक गया था। इसी दौरान रात में हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि प्रार्थना भाई की मौत के सदमे से उबर नहीं पा रही थी। वह लिगामेंट टूटने से भी परेशान थी।

एशिया कप खेलने गई थी जॉर्डन –प्रार्थना के बास्केट बॉल कोच राकेश वाजपेई ने बताया कि वह बेहद खुशमिजाज थी। वह अच्छी खिलाड़ी थी। वह नेशनल के साथ कई इंटरनेशनल मैच खेल चुकी थी। हाल ही में वह एशिया कप में हिस्सा लेकर जॉर्डन से वापस लौटी थी। यहीं पर खेल के दौरान उसका लिगामेंट टूट गया था, जिसका 3-4 महीने से इलाज चल रहा था।

खेलो इंडिया के लिए भी हुआ था चयन – वह रशिया भी खेलने जा चुकी थी। प्रार्थना नेशनल विनर रही है। बेंगलुरु में हुए नेशनल टूर्नामेंट में वह एमपी की टीम से खेली थी। प्रार्थना का चयन च्खेलो इंडियाज्के लिए भी हुआ था। जिसकी उसे स्कॉलरशिप भी मिलती थी।

2019 में प्रार्थना रूस में खेलने गई थी – प्रार्थना साल्वे की पढ़ाई कालापाठा स्थित सरस्वती स्कूल से हुई। वहीं उसने बास्केटबाल खेलना शुरू किया। इसके बाद वह स्टेडियम में खेलने जाने लगी। यहां प्रशिक्षक राकेश वाजपेयी ने प्रशिक्षण दिया। वे ही प्रार्थना को साथ में चयन के लिए छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव ले गए। यहां पर प्रार्थना का चयन हो गया। वर्ष 2019 में प्रार्थना रूस में खेलने गई। इसके बाद प्रार्थना का फीबा एशिया कप के लिए चयन हुआ। यह जॉडर्न के अम्मान में हुआ था। यूएसए के लिए भी चयन हुआ था, लेकिन कोरोना की वजह से पत्र नहीं आया था।

ओलंपिक खेलने का था सपना – प्रार्थना के पिता बीएस साल्वे भीमपुर माध्यमिक स्कूल में पदस्थ हैं। प्रार्थना के परिवार में दो और बहनें है। प्रार्थना सबसे छोटी बहन है। प्रार्थना देश की तरफ से ओलंपिक खेलकर जिले का नाम दुनिया में रोशन करना चाहती थी। प्रार्थना का एक भाई भी था देवेन्द्र, जिसकी इसी साल सात मई को इंदौर के अग्निकांड में मौत हुई थी।

नेता के घर ही मिल गई चोरी की रकम और जेवरात

बैतूल। टीआई रत्नाकर हिंग्वे ने बताया की पिछले 20 नवम्बर शिकायत कर्ता रोशन सिंह पिता मिथलेश सिंह (30) निवासी वार्ड नंबर 16 जगजीवन नगर पाथाखेड़ा द्वारा पुलिस चौकी पाथाखेड़ा में रिपोर्ट की गई कि 18 नवंबर की दरमियानी रात में अज्ञात चोरों द्वारा उसके घर में दरवाजा तोड़ कर घर की अलमारी से सोने चांदी के जैवरात मंगलसुत्र, लाकेट, बिन्दी, नाक की लोग, अंगूठी, टाप्स अन्य चांदी के आभूषण व पुजा सामग्री व नकदी चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर से धाना सारणी में अपराध क्रमांक 727/22 धारा 457 380 IPC दर्ज किया गया। 21 नवंबर को जिला बैतूल की एफएसएल टीम के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया शिकायत कर्ता के घर का सामान बिखरा हुआ था। अलमारी टूटी हुई थी। निरीक्षण के दौरान अलमारी के अंदर से चोरी गया सामान का 60 प्रतिशत मशरुका नगदी 18739 रुपये, नाक के 09 लोंग, एक मंगलसूत्र, 04 बिछिया चांदी की, 11 चांदी के सिक्के, चांदी के टाप्स, चांदी की अंगूठी उसी के घर से बरामद हो गया। अगले दिन बाकी का सामान घर के अंदर चादर में लपेटा हुआ बिस्तर के नीचे मिला जिसे खोल कर दिखवाया गया।

टीआई के मुताबिक विवेचना के दौरान पाया गया कि शिकायत कर्ता रोशन सिंह द्वारा नगर पालिका के वार्ड नंबर 16 के निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश डेहरिया का विजयी बनाने के लिए बीते चुनाव में काम किया गया था। जिसमें उसने वार्ड नंबर 16 के ओझाढाना में सभी से मुकेश डेहरिया को वोट डालने की अपील की थी, लेकिन लोगों ने बीजेपी के प्रत्याशी योगेश बर्डे का सपोर्ट किया। जिसके बाद से लगातार रोशन सिंह द्वारा ओझाढाना पाथाखेड़ा के लोगों की शिकायत करने लगा। जिसमें अवैध कच्ची शराब बेचने की शिकायत को उसने सीएम हेल्पलाइन से लेकर आबकारी अधिकारी तक से की।जिसकी जांच भी हुई। जब इससे भी काम नही बना तो उसने खुद के घर में चोरी का झूठा ड्रामा रचकर इलाके के लोगो को संदेही बताकर शिकायत कर डाली।

मां ताप्ती की महाआरती करने शनिवार को जाएंगे शिवभक्त

पं प्रदीप मिश्र की कथा के लिए आह्वान करने जाएंगे मां ताप्ती की दर पर

बैतूल। जिला मुख्यालय पर आगामी 12 दिसंबर को होने वाली शिवपुराण कथा के लिए मां ताप्ती का आह्वान करने समिति श्रध्दालुओं की टीम मूलतापी (मुलताई) जाएगी। इस ताप्ती यात्रा के लिए जिले भर से श्रध्दालु शनिवार 26 नवंबर की शाम को मां ताप्ती के दर पर पहुंचेंगे। गौरतलब है कि प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा 12 दिसंबर से 18 दिसंबर तक किलेदार गार्डन, बालाजीपुरम रोड, बैतूल में होने जा रही है। इस कथा के लिए मां ताप्ती का आह्वान करने शिवभक्तों का दल शनिवार की दोपहर गाजे-बाजे के साथ मां ताप्ती के उद्गम स्थल मुलताई पहुंचेगा। यहां मां ताप्ती की पूजा, दीपदान के बाद महाआरती और फिर प्रसादी वितरण होगा। सालों से मां ताप्ती की परिक्रमा कर रहे उनके परमभक्त और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कपूर ने बताया कि शिवपुराण कथास्थल, किलेदार गार्डन में शनिवार 26 नवंबर को करीब 2 बजे सभी शिवभक्त अपने वाहनों पर भगवा झंडा लगाकर एकत्र होंगे। ताप्ती रथ भी यात्रा में शामिल होगा। कथास्थल के पवित्र धर्म ध्वज के पूजन के बाद यहां से ताप्ती यात्रा आरंभ होगी। रास्ते में हनुमान मंदिर और श्री रूकमणि बालाजी मंदिर, बालाजीपुरम में भी भगवान का दर्शन-पूजन कर यात्रा शाम 5 बजे मुलताई ताप्ती सरोवर पहुंचेगी। यहां स्थानीय शिवभक्तों ने यात्रा के स्वागत की तैयारियां आरंभ कर दी है। शिवपुराण कथा समिति से जुड़े हेमंत देशमुख ने सभी शिवभक्तों से मुलताई की शनिवार शाम की महाआरती और प्रसादी कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

विभागीय गाड़ी में नहीं प्राईवेट गाड़ी में ट्रांसफार्मर ढोने की तुक कैसी...?

नर्मदापुरम । माखन नगर विद्युत कार्यालय में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर देवेंद्र प्रजापति मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की मंशानुरूप क्षेत्र में कार्य कर पाने में सफल नहीं हो रहे । क्षेत्र में अटल ज्योति योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली आम जनता और किसानों को मिले इसके विपरीत विधुत विभाग मनमर्जी से काम कर रहा हैं। पोठिया प्रेम तला डोलरिया के ट्रांसफार्मर जो चालू अवस्था में थे वह इनके संरक्षण में किसे दिए गए हैं इसकी जांच होना जरूरी है क्योंकि यहां सवाल यह है कि मध्य प्रदेश शासन अटल ज्योति योजना के अंतर्गत किसानों को यह महत्वपूर्ण सौगात दे रही है तो फिर यह सौगात छीनने की कोशिश क्यों हैं..? विस्तार से जांच की जाएं तो ट्रांसफार्मर घोटाला सामने आएगा, ग्रामीणों की शिकायत है कि देवेंद्र प्रजापति द्वारा क्षेत्र में नागरिकों से भी ठीक व्यवहार नहीं किया जाता। इसकी जांच होगी

तो आम जनता सबूत देने को तत्पर रहेगी। वैसे माखन नगर में बिजली शिफ्टिंग का कार्य असिस्टेंट इंजीनियर देवेंद्र प्रजापति और मनोज वर्मा जूनियर इंजीनियर के संरक्षण में चल रहा है हालिया 11 नवंबर को पूरे दिन बिजली माखन नगर में गोल रही। जिसे बिजली विभाग स्कोर मेंटेनेंस रखरखाव का कार्य बता रहा है जो मेंटेनेंस नहीं था। यह बिजली शिफ्टिंग कार्य था ऐसा सूत्र बता रहे हैं बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अगर ठीक जांच करे तो मालूम होगा, यहां विद्युत विभाग ने आम जनता की नजरों में धूल झोंक कर मेंटेनेंस के नाम पर 5 बार बिजली शिफ्टिंग करने का काम किया है। जहां-जहां शिफ्टिंग का काम हुआ हैं इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को है जो बिना वर्क आर्डर एस्टीमेट बिजली आर्थिक लाभ अर्जित करने के लिए किए गए हैं, जबकि आम जनता को बताया है कि लाइन का रखरखाव मेंटेनेंस चल रहा है। ज्ञात हो आम किसान लगातार ट्रांसफार्मर जल गया है रात दिन गुहार लगाता है। लोग बताते हैं माखन नगर कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे और पथरोटा स्टोर के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाएं तो यह ज्ञात होगा बिजली विभाग की गाड़ियों के साथ दो प्राइवेट गाड़ियां भी चलती हैं। प्राईवेट गाड़ी में रखकर इनमें ट्रांसफार्मर आखिर कहां जा रहे हैं यह जांच से ही पता लग पाएगा इसमें देवेंद्र प्रजापति की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। माखन नगर के समीपस्थ कोठारिया में फूड पार्क की स्थापना की गई है यहां एम ऐप से बिजली दी जा रही थी। यहां एमएफ से बिजली काटकर बाबई सप्लाई से जोड़ दी गई। क्षेत्र की आम जनता यह सवाल पूछ रही है। एमएससी लाइन जब चल रही थी इंडस्ट्रियल एरिए में इसको क्यों काटा गया..? बाबई से जोड़ने पर इससे माखन नगर मैं विद्युत का लोड बढ़ गया है। आम नागरिकों ने भोपाल स्तर के अधिकारियों को देवेंद्र प्रजापति के कारनामों की शिकायत सबूतों के साथ दी गई है। जरूरत पड़ने पर आम जनता सबूत लेकर तैयार रहेगी कहते हैं।

मामला: चुनाव में मतदान को वैधानिक चुनौती, आगामी सुनवाई 29 नवंबर को

नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को उपस्थित होना पड़ा प्रधान जिला माननीय न्यायालय नर्मदापुरम में

हीरालाल गोलानी सोहागपुर । सोहागपुर नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव को न्यायालय श्रीमान प्रधान जिला न्यायाधीश नर्मदापुरम में वैधानिक चुनौती पार्षद एवं कॉग्रेस की अध्यक्ष प्रत्याशी श्रीमति हेमलता कहार पत्नि पूर्व पार्षद मोहन कहार ने दी है। इस कारण नगर पंचायत अध्यक्ष लता यशवंत पटैल एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष आकाश पटैल को न्यायालय में 14अक्टूबर को उपस्थित होना पड़ा । मामले की अगली सुनवाई 29नवंबर को होगी। उल्लेखनीय है नगर के इतिहास में यह प्रथम मामला है जिसमें नगर के प्रथम नागरिक को न्यायालय के समक्ष खड़ा होना पड़ा है। ज्ञातव्य है कि वैधानिक चुनौती में निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमति लता यशवंत पटैल , जिला नर्मदापुरम निर्वाचन अधिकारी ,अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर प्रसाईडिंग आफिसर नगर पालिका को उत्तरवादीगण याचिका अंतर्गत धारा 20 म.प्र . नगर पालिका विधि संहिता अधिनियम याचिकाकर्ता ने दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता बृजेश शर्मा नर्मदापुरम ने बताया कि नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 के अंतर्गत नगर परिषद अध्यक्ष के चुनाव में श्रीमति लता पटैल विजयी घोषित की गई थी निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया दिनांक 05. अगस्त 2022 को प्रारंभ की गई थी। जिसमें चुने 15 पार्षदो के द्वारा अध्यक्ष का निर्वाचन होना था ,तथा पार्षदों को ही अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। लेकिन अध्यक्ष चुनाव में वार्ड क्रमांक 1 की पार्षद श्रीमति शोभा जगदीश अहिरवार का टेन्डर मत संजय मालवीय पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष सोहागपुर ने इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 12 से पार्षद श्रीमति सकुंन सराठे का टेन्डर मत भाजपा विधायक प्रतिनिधि अश्विनी सरोज ने डाला था। उक्त टेन्डर मतों के संबंध में याचिकाकर्ता ने दोनों मतों पर निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत की गई थी । जिसमें निर्वाचन अधिकारी को पार्षद शोभा जगदीश अहिरवार ने स्वयं को निरक्षर बताया एवं इसी प्रकार वार्ड 12 पार्षद श्रीमति शकुन सराठे ने भी निरक्षर होने एवं स्वास्थ्य कारणों से टेन्डर मत डाला । वैधानिक चुनौती में यह आपत्ति ली गई है टेन्डर मत देने वालों का पार्षदों से कोई रक्त संबंध नहीं है न ही पारिवारिक संबंध है । उक्त दोनो पार्षदो नामांकन फार्म शपथ पत्र में हस्ताक्षर किए हैं। जिससे उनका साक्षर होना प्रमाणित होता है। वहीं निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान श्रीमति शकुन देवी.सराठे उपस्थित थी। इससे टेन्डर मत डालवाना संदेहास्पद है।यह भी इस प्रकरण में उल्लेखनीय है कि 5अगस्त रिटर्निंग ऑफिसर से प्रक्रिया की प्रतिलिपि चाही गई लेकिन प्रदान नहीं की गई। इससे प्रतीत होता है कि स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया भाजपा के दबाव में की गई थी । वहीं अध्यक्ष पद हेतु जो मत पत्र में वर्णक्रम के अनुसार नाम भी अंकित नहीं थे। न्यायालय में यह भी आरोप लगाया गया है कि निर्वाचन अधिकारीने नियम विरूद्ध तरीके से अध्यक्ष के निर्वाचन में अनुचित लाभ कराकर अध्यक्ष बनाने में सहयोग किया है । इस कारण याचिकाकर्ता ने उक्त निर्वाचन प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराते हुए एक रिट पिटिशन नंबर 19496 / 2022 माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर म.प्र . के समक्ष प्रस्तुत की गई थी।जिसमें माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा दिनांक 06.09.2022 को आदेश पारित कर याचिकाकर्ता को सक्षम न्यायालय के समक्ष याचिका प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गए थे।याचिकाकर्ता विधिक समयावधि में याचिका माननीय न्यायालय प्रधान न्यायालय नर्मदापुरम के समक्ष प्रस्तुत की है । जिसमें निवेदन है कि दिनांक 05अगस्त 2022 को नगर परिषद सोहागपुर में अध्यक्ष पद की नियुक्ति की प्रक्रिया को अपास्त करते हुए ।पुनः विधि के अनुसार अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को नियमानुसार कराए जाने के आदेश पारित करने का आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है इस मामले में सोहागपुर (नगर की प्रथम नागरिक)नगर पंचायत अध्यक्ष लता यशवंत पटैल एवं उपाध्यक्ष आकाश पटैल को 14 अक्टूबर को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना पड़ा था।इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को माननीय जिला प्रधान न्यायाधीश के न्यायालय नर्मदापुरम में नियत है।

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में जीते पदक

नर्मदापुरम । 66 वी शालाएं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता वर्ग समूह 14/17/19 बालक बालिका सागर मध्यप्रदेश में आयोजित हुई जिसमें समेरिटन्स विद्यालय के 10 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था जिसमें से 7 बच्चों ने मैडल अर्जित किये। सभी वर्ग के आयु समूह ने चार से पांच फाइट को जीता और और मैडल को अपने नाम कियाद्य 10 संभागों में हिस्सा लिया था जिसमें 500 से अधिक बच्चे प्रतिभागी थे जिसमें से हमारे 7 मैडल आये यह बहुत बड़े गौरव की बात है बालिका वर्ग मे ऋषिका राजपूत ने ओपन वजन समूह में रजत पदक एवं परिज्ञा राजपूत ने 36 किलोग्राम में रजत पदक जीता साथ में चारु चिचाम, देविका राजपूत, पलक सिंह बैस, आरुषि सल्लाम, कांस्य पदक अर्जित करा एवं बालक वर्ग में अमय राजपूत में कांस्य पदक अर्जित करा सुकेशी गौर, कार्तिक राजपूत, रूद्र प्रताप सिंह ठाकुर, सौरभ दुबे, प्रतिभागी रहे द्य इस उपलब्धि पर राहुल व्यास तथा समेरिटन्स स्कूल के संचालक डॉ आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, कोच वैशाली तिवारी, आरके सिंह, राजेंद्र रघुवंशी, लीना देवासकर,सचिन खंपारिया, सुमिता द्विवेदी, एवं समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी ।

इधर निलंबित प्राचार्य ने प्रभारी को नहीं सौंपा चार्ज..

उधर आर के दुबे को कलेक्टर नहीं कर रहे रिलीव..

नर्मदापुरम । माखन नगर स्थित सीएम राइज स्कूल प्राचार्य जीएस ठाकुर को शिक्षा विभाग ने आखिर निलंबित कर दिया लेकिन उसे संस्था का चार्ज प्रभारी प्राचार्य के के दुबे को आज दिनांक तक दिलवाया जा सका है। आखिर जी एस ठाकुर को शिक्षा विभाग ने निलंबित किया ही क्यों.. इस सवाल का जवाब फिलहाल शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी दे पाने से कतराते हैं। जबकि प्रभारी प्राचार्य विभाग को श्री ठाकुर से अलमारी सहित कैश बुक जैसी महत्वपूर्ण दस्तावेज उन्हें दिलाने के लिए वरिष्ठ अधिकारी को पत्र लिखकर गुहार लगा रहे हैं। फिर बामुश्किल जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर के दुबे का सागर स्थानांतरित किए जाने के बाद बैंक के प्रशासक कलेक्टर महोदय बैंक से रिलीव नहीं कर पा रहे.. आखिर ऐसा क्यों.. यह सवाल स्वतं ही जेहन में उठता तो है।

रीवा से निकली एनसीसी साईकिल रैली का स्वागत, 27 नवंबर को रैली भोपाल पहुंचेगी

सुबह सवेरे सोहागपुर । रीवा से निकली 15एनसीसी कैडेटो की रैली का सीएम राईज स्कूल परिसर में स्वागत किया गया। रैली का स्वागत एनसीसी ऑफिसर महेश रघुवंशी, महाविद्यालय एनसीसी ऑफीसर राधेश्याम रघुवंशी, महाविद्यालय समिति सचिव हमीर सिंह चंदेल ,जहूर खॉन, श्रीमति अनुपमा चौरसिया श्रीमति प्रेमअमृता दुबे ,मुकेश रघुवंशी , मुकेश साहू के अलावा एनसीसी कैडेटों ने स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त रैली स्थापना दिवस के 75वें वर्ष पर 27 नवंबर को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम सम्मिलित होगी। उल्लेखनीय है कि एनसीसी कैडेट साइकिलो से स्वच्छता,एकता आदि संकल्पों को लेकर जागरूकता रैली निकाली जा रही है ।

स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट नेत्र शिविर आज

सुबह सवेरे सोहागपुर । स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट के शंकराचार्य नेत्रालय के तत्वावधान में नि ~शुल्क नेत्र जाँच परामर्श शिविर 25 नवम्बर 2022 शुक्रवार प्रातः 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया गया है। नेत्र विशेषज्ञ ए.के शाक्य ने बताया कि शिविर में नेत्ररोगियो का परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद पाए जाने पर शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा मरीजों को निःशुल्क वाहन सुविधा उपलब्ध कराकर मरीजों का मोतियाबिंद का आपरेशन किया जायगा । शंकराचार्य नेत्रालय का प्रधान कार्यालय झौतेश्वर श्रीधाम में है। नागरिकों से अपील की गई है कि नेत्ररोगी अपनी ऑखो का परीक्षण कराके शिविर को सफल बनाए।

बोहानी व भौरझिर में ग्राम प्रस्फुटन समितियों के कार्यों की हुई समीक्षा

नरसिंहपुर। नशा मुक्ति अभियान के दौरान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तहत चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत पंचायत भवन बोहानी और भौरझिर में सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम प्रस्फुटन समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। नशामुक्ति, स्वच्छता, नव भारत साक्षर, ऊर्जा साक्षरता अभियान, जल संरक्षण व संवर्धन, गौ संवर्धन व संरक्षण, शासकीय योजनाओं का प्रचार- प्रसार और ग्राम विकास के विभिन्न आयामों पर किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई। टीबी रोग से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई। भौरझिर में हाई स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ नशामुक्ति पर संवाद किया गया और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता के लिए रैली, जनसंवाद/ संगोष्ठी, दीवार लेखन तथा शपथ दिलाने, लोगों को नशे से होने वाली सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक व मानसिकता हानियों के प्रति जागरुक किया गया। बैठक में उपस्थिति सभी सदस्यों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सेक्टर स्तरीय बैठक में मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, विकासखंड समन्वय चांवरपाठा, नवांकुर संस्था बोहानी व भौरझिर के अध्यक्ष व सचिव, सेवा समिति बिल्थारी के सचिव, बोहानी ग्राम विकास प्रस्फुटन सहित मनकवारा, सिहोरा, कौड़िया, पुरगवां, बुधवारा, दुधवारा, अजंसरा, सिहोरा- अड्डाइसा, कोठिया- लिलवानी एवं भैंसा ग्राम विकास समितियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। भौरझिर में करहैया, घघरौलाकलां व खुर्द, पटना, पिठेहरा, भूमियाढाना, सगौरिया, मड़ेसुर, खुलरी, इमझिरी सहित 18 ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण

नरसिंहपुर शहरी क्षेत्र का किया भ्रमण

नरसिंहपुर। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने गुरूवार को नरसिंहपुर शहरी क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने जल शोधन संयंत्र, नरसिंह तालाब, सांकल रोड के समीप ट्रेंचिंग ग्राउंड- डंपिंग एरिया और सुभाष पार्क का मुआयना किया।

जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण –जल शोधन संयंत्र के निरीक्षण के दौरान संयंत्र का रखरखाव और समुचित साफ- सफाई नहीं पाये जाने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देशित किया कि संयंत्र का अच्छे तरीके से रखरखाव सुनिश्चित किया जाये, पुताई करायें। हर सप्ताह टेल एंड पर पानी की टेस्टिंग पीएचई विभाग के माध्यम से कराई जाये।

नरसिंह तालाब का मुआयना – कलेक्टर सुश्री बाफना ने नरसिंह तालाब परिसर का मुआयना किया। उन्होंने नरसिंह तालाब के निर्माण से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी ली और प्रस्तावित कार्य योजना का मैप देखा। इस संबंध में उन्होंने कहा कि डब्ल्यूआरडी एवं एनव्हीडीए के अधिकारियों से भी विचार- विमर्श करें। उन्होंने निर्देशित किया कि अच्छी गुणवत्ता का निर्माण कार्य हो। यह देखें कि यहां और बेहतर से बेहतर क्या किया जा सकता है। उन्होंने पिचिंग, प्रोटेक्शन वॉल, फैंसिंग बाउंड्री, वॉकिंग एरिया, घाट निर्माण, व्यू प्वाइंट प्लेटफार्म, बच्चों के खेलने की व्यवस्था, बोटिंग आदि के बारे में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिये।

ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण – कलेक्टर ने सांकल रोड के समीप स्थित नगर पालिका के ट्रेंचिंग ग्राउंड- डंपिंग एरिया का निरीक्षण किया और सेग्रीगेशन का कार्य देखा। उन्होंने सूखा- गीला कचरा सेग्रीगेशन, कचरा निष्पादन एवं इससे जुड़े एनजीओ/ एजेंसी, मटेरियल रिकव्हरी फैसिलिटी- एमआरएफ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि यहां से कचरा साफ कराने के लिए कार्य योजना तैयार कर शेड्यूल जारी करें। कचरा तेजी से हटवाया जाये। कचरा निष्पादन के कार्य को मॉडल के रूप में विकसित करें। उन्होंने घर- घर से कचरा इकट्ठा करने के बाद अलग- अलग करके बेचने की बात कही, इसका लाभ नगर पालिका के कर्मचारियों को भी मिल सकेगा। कचरा उठाकर निष्पादन करने के बारे में संतोषजनक जबाव नहीं देने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी के सुपरवाइजर को हटाने के निर्देश दिये।

सुभाष पार्क का अवलोकन – कलेक्टर ने सुभाष पार्क का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों के खेलने के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देशित किया कि शहर में रिक्त शासकीय भूमि पर पार्क विकसित किये जायें।

अधिक कीमत पर खाद बेचने वाले प्रायवेट डीलर्स के लायसेंस निरस्त करें: कलेक्टर

कलेक्टर ने किया गोटेगांव का भ्रमण

नरसिंहपुर। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने बुधवार को गोटेगांव अंचल का भ्रमण किया। उन्होंने गोटेगांव (कुम्हड़ाखेड़ा) में मार्कफेड के खाद विक्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने काउंटर पर जाकर खाद वितरण की व्यवस्था का जायजा लिया और किसानों से रूबरू चर्चा की। किसानों ने प्रायवेट खाद डीलर्स द्वारा अधिक कीमत पर खाद बेचने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देशित किया कि वे खाद दुकानों की लगातार जांच करें, निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचे जाने पर पंचनामा बनाकर दुकान बंद करें और प्रायवेट डीलर्स के लायसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करें। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि शिकायत वाली प्रायवेट एजेंसी को खाद नहीं दें और कड़ी कार्रवाई करें, सही एजेंसी को ही खाद दें।

तहसील कार्यालय गोटेगांव का निरीक्षण – कलेक्टर ने तहसील कार्यालय गोटेगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम कोर्ट, नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार कोर्ट में लंबित राजस्व प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने आरसीएमएस एवं वेब जीआईएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों को स्वयं देखा और विभिन्न प्रकरण निकलवाकर अवलोकन किया। उन्होंने नामांतरण, बटवारा समेत लंबित प्रकरणों के तेजी से निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सिस्टम पूरी तरह से व्यवस्थित रहे। सभी प्रकरण अनिवार्य रूप से ऑनलाइन दर्ज किये जायें। कॉज लिस्ट कोर्ट के बाहर चस्पा की जाये। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिये।उन्होंने निर्देशित किया कि लोक सेवा केन्द्र का लगातार निरीक्षण करते रहें और लोगों को समय पर सेवायें दिलाना सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देशित किया कि निर्धारित प्रक्रिया एवं औपचारिकतायें पूरी किये बगैर नये स्थान पर अवैध कॉलोनी बनाकर प्लाटिंग करने वाले कॉलोनाईजर के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही उस स्थान पर अवैध कॉलोनी का बोर्ड लगवायें, जिससे लोग वहां प्लाट नहीं खरीदें।

सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण – कलेक्टर ने सीएम राइज स्कूल/ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गोटेगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने सीएम राइज स्कूल के नये भवन के निर्माण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्कूल के बोर्ड परीक्षा के परिणाम पर अप्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे हर ब्लॉक में हर सप्ताह 5 स्कूलों में रेंडम 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों की परीक्षा लें, जिससे बेहतर परीक्षा परिणाम आयें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा – कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया और मरीजों से चर्चा कर जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने ओपीडी कक्ष, ड्यूटी डॉक्टर रूम, प्रसाधन, जनरल वार्ड, प्रसूति वार्ड, पैथोलॉजी लैब, टीबी की जांच, नेत्र परीक्षण कक्ष, दवा वितरण केन्द्र आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र की सभी व्यवस्थाओं को चुस्त- दुरूस्त बनाने और समुचित साफ- सफाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिये।कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि लक्ष्य निर्धारित कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का कायाकल्प करें। यहां शासकीय क्वार्टर में निजी प्रेक्टिस नहीं हो, यह सुनिश्चित करें और संबंधित डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस दें। उन्होंने गोटेगांव सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बायोमैट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया।

धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण – कलेक्टर ने कूसीबाड़ा (कंजई) के कमल स्टोरेज वेयर हाऊस और श्रीनगर के साहू वेयर हाऊस में प्रस्तावित धान उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने धान खरीदी की सभी व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के लिए बैठक लेकर ट्रेनिंग देने के निर्देश दिये। उन्होंने तहसीलदार को वेयर हाऊस/ धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। एफएक्यू गुणवत्ता की धान ही खरीदी जाये। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि वेयर हाऊस में मिक्सिंग की शिकायत नहीं मिलनी चाहिये, अन्यथा ब्लैक लिस्ट किया जायेगा।इसके पश्चात कलेक्टर ने झौंतेश्वर के पुराने अस्पताल भवन का मुआयना किया और इसके समुचित उपयोग के विकल्पों पर अधिकारियों से चर्चा की।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रीनगर की देखी व्यवस्थायें – कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रीनगर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थायें देखी। उन्होंने व्यवस्थाओं को दुरूस्त कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस डिलेवरी प्वाइंट पर सभी स्वास्थ्य सेवायें लोगों को सुचारू रूप से मिलें, इस पर फोकस किया जाये। उन्होंने रोगी कल्याण समिति की निधि और जनसहयोग से एम्बुलेंस का सुचारू संचालन करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन में सीपेज रोकने के लिए वॉटर प्रूफिंग कराने, रंगाई- पुताई कराने, खिड़कियों में जाली लगवाने, जनरेटर, समुचित साफ- सफाई, दवाईयों की उपलब्धता, वेंटीलेशन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

सिलवानी में बांस पौधरोपण का कार्य देखा – कलेक्टर ने ग्राम सिलवानी में बांस पौधरोपण का कार्य देखा। यहां 30 हेक्टर में 18 हजार 750 बांस के पौधों का रोपण मनरेगा की फंडिंग से किया गया है, इसकी क्रियान्वयन एजेंसी वन विभाग है। कलेक्टर ने बांस के पौधों की सही ग्रोथ के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिये।इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, एसडीएम श्रीमती निधि सिंह गोहल और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नरसिंहपुर के न्यायालय द्वारा लापरवाही से गाड़ी चलाने के प्रकरण में आरोपी कोमलसिंह पुत्र ठाकुर प्रसाद लोधी निवासी ग्राम सिमरिया को दोषसिद्ध पाते हुए धारा 146/196 मोटरयान अधिनियम में न्यारयालय उठने तक के कारावास एवं 2000/ रूपयें के अर्थदण्ड सें दंडित किया गया। जिला अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनॉक 20/09/2021 को पीड़ित लालसिंह अपने पिताजी सीताराम को इलाज कराने ग्राम बुधगॉव से नरसिंहपुर जा रहा था पीडित लालसिंह मोटरसाईकिल चला रहा था तथा पीडित के पीछे सीताराम मलाह बैठे थे। करीब 11:30 बजे पीडित लालसिंह जैसे ही मेन रोड चन्दथपुरा तिगड्डा पर पहुॅचा उसी समय नरसिंहपुर तरफ से मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 49 एमजी 5818 का चालक कोमलसिंह तेज गति से लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल को चलाकर लाया और पीडित लालसिंह की मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। जिससे पीडित लालसिंह एवं उसके पिता सीताराम मलाह दोनों वहीं रोड पर गिर गए। गिरने से पीडित लालसिंह को दॉये एवं बॉये पैर के घुटने में चोट आई तथा खून निकला था। अस्पताल तहरीर के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई साक्षी लालसिंह के समक्ष घटना स्थरल का नक्शा मौका बनाया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के चिकित्सा परीक्षण के लिए शिविरों का आयोजन 25 नवम्बर से दो दिसम्बर तक होगा

विकासखंड स्तर पर लगेंगे शिविर

नरसिंहपुर। शासकीय शालाओं में कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के चिकित्सा परीक्षण के लिए जिले में विकासखंड स्तर पर 25 नवम्बर से दो दिसम्बर तक शिविर लगाये जायेंगे। ये शिविर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चांवरपाठा में 25 नवम्बर को, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में 26 नवम्बर को, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गोटेगांव में 28 नवम्बर को, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय करेली में 29 नवम्बर को, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में 30 नवम्बर को और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सांईखेड़ा में दो दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक लगाये जायेंगे। यह निर्णय कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला स्तर समिति की बैठक में लिया गया।बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी शिविर आयोजन के नोडल अधिकारी और शिविर आयोजन वाले शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सहायक नोडल अधिकारी होंगे, जो शिविर स्थल की सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने शिविर के लिए चाय, नाश्ता, भोजन, शुद्ध पेयजल समेत सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ आने वाले अभिभावकों का भी ध्यान रखा जाये। सीएमएचओ इन शिविरों में चिकित्सा परीक्षण के लिए आवश्यक चिकित्सकों की व्यवस्था करेंगे। साथ ही निश्शक्तता प्रमाण पत्र शिविर स्थल पर ही प्रदान करने की व्यवस्था की जायेगी और नवीनीकरण भी किया जायेगा। चिकित्सा परीक्षण में यदि ऐसे विद्यार्थी चिन्हित किये जाते हैं, जिनकी शल्य चिकित्सा कर उपचार किया जाना है, उन्हें एक निश्चित तिथि दी जाये। सीएमएचओ ऐसे बच्चों का शिविर स्थल पर पंजीयन कराकर आगे की चिकित्सा व्यवस्था करायेंगे।कलेक्टर ने निर्देश दिये कि उप संचालक सामाजिक न्याय का दायित्व होगा कि उपकरण की आवश्यकता वाले चिन्हित बच्चों की जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत करेंगे। सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य अपनी शाला में अध्ययनरत सीडब्ल्यूएसएन बच्चों को एक शिक्षक के साथ शिविर में अनिवार्यत~ उपस्थित कराना सुनिश्चित करेंगे। बच्चों के पालक साथ में आ सकेंगे। शाला त्यागी/ शाला अप्रवेशी बच्चों को भी शामिल किया जा सकेगा। प्राचार्य डाइट प्रत्येक शिविर की मॉनीटरिंग करायेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग का विकासखंड स्तरीय अमला आवश्यक सहयोग करेगा। शिविर स्थल पर कोविड-19 के तहत एसओपी का पालन किया जायेगा। शिविर में शामिल होने वाले सभी बच्चों का यूडीआईडी पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य रूप से कराना होगा, यदि किसी बच्चे का नहीं है, तो स्कूल में ही पंजीयन सुनिश्चित करायेंगे। शिविरों के प्रचार- प्रसार और अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

पिछड़ा वर्ग के कॉलेज के छात्रों के लिए छात्रावास में प्रवेश की प्रक्रिया पुनः शुरू

नरसिंहपुर। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विभाग द्वारा शासकीय एवं अशासकीय कॉलेजों में नियमित विद्यार्थी के रूप में नामांकित व अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए जिला मुख्यालय पर नरसिंहपुर में 100 सीटों वाले पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास का संचालन किया जाता है। चालू शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रावास में कॉलेज के छात्रों द्वारा प्रवेश लिये जाने के बाद भी यहां सीटें रिक्त हैं। छात्रावास की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया पुन~ शुरू की गई है। इच्छुक छात्र कार्यालयीन समय में कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन स्थित पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कार्यालय और मुशरान वन स्थित छात्रावास में सम्पर्क कर प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने दी है।

हाथ के टिश्यु से बनाई, कैंसर से खराब हुई जीभ

एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने पहली बार तैयार की कृत्रिम जीभ

भोपाल (नप्र)। कैंसर के इलाज के लिए मरीजों को अस्पतालों के बीच भटकना पड़ता है। कैंसर पीडित को दर्द भरी जिन्दगी में यदि समय से सही इलाज मिल जाए तो थोड़ी राहत मिलती है। एम्स भोपाल देश के ऐसे अस्पतालों की लिस्ट में शामिल हो गया है जहां कैंसर से खराब हुई जीभ को डॉक्टरों ने तैयार कर मरीज को नया जीवन दिया है।

एम्स के ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉक्टरों ने बताया कैंसर के कारण 35 साल के एक मरीज की जीभ पूरी तरह से खराब हो गई थी। जीभ खराब होने के कारण वे ना कुछ खा पाते थे और ना ही बोल नहीं पर रहे थे। उनके मुंह में स्लाइवा नहीं बनता था। उनकी बाकी की जिंदगी को देखते हुए डॉक्टरों ने संक्रमित जीभ के खराब हिस्से को काट कर नई जीभ बनाने का फैसला किया। हाथ के सॉफ्ट टिशू लेकर डॉक्टरों ने नई जीभ का निर्माण किया गया। करीब 11 घंटे चले जटिल ऑपरेशन के बाद मरीज को नई जिंदगी दी गई। अब श्वेतांबर पूरी तरह ठीक हैं। अब वह बोल सकते हैं और सामान्य रूप से खाना भी खा सकते हैं।

गुटखा-तंबाकू खाने से कैंसर ने गलाई जीभ- डॉक्टरों ने बताया कि गुटखा-तंबाकू के ज्यादा सेवन से मरीज को जीभ का कैंसर हो गया था। मरीज को जब इसका पता चला तो वह एम्स भोपाल पहुंचे । यहां डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि कैंसर जीभ के 90 प्रतिशत क्षेत्र में फैल चुका था। मरीज की उम्र कम थी इसलिए डॉक्टरों ने जीभ को काटने का निर्णय लिया गया। लेकिन, समस्या थी कि बिना जीभ के अरुण खाने-पीने और बोलने असमर्थ हो जाता ऐसे में डॉक्टरों ने नई जीभ लगाने का निर्णय लिया गया।

बाएं हाथ के मांस से जीभ बनाई गई

एम्स के कैंसर रोग डिपार्टमेंट के डॉ. विनय कुमार ने बताया कि मरीज के बाएं हाथ की कलाई के मांस से जीभ बनाई गई। इस प्रक्रिया को फ्री फ्लैप या प्री-रेडियल पोर आर्म फ्लैप कहा जाता है। सुबह करीब आठ बजे ऑपरेशन की शुरूआत की गई जो शाम करीब सात बजे तक चला। यह जीभ बिल्कुल असली जीभ जैसी है, इससे मरीज को खाने और बोलने में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। हालांकि स्वाद पूरी तरह नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले मरीज का संक्रमित जीभ काटकर हटाया। इसके बाद प्लास्टिक सर्जन ने उनके हाथों के मांस से नई जीभ बनाई। इंट्रा ओरल तकनीक से बिना होंठ और चेहरे की हड्डी काटे बिना नई जीभ को गर्दन की नसों से जोड़ा गया। इस दौरान जीभ की रक्त धमनियों को गर्दन की रक्त धमनियों से जोड़ा गया।

जांघ की हड्डी से भी बनती है जीभ

डॉक्टरों ने बताया कि आमतौर पर ऐसे मामले में मरीज की जीभ काटकर अलग कर दी जाती है और मरीज पूरी उम्र बिना आवाज के ही रहता है। लेकिन कम उम्र के मरीजों के लिए जीभ का पुर्ननिर्माण किया जाता है। मेडिकल फिल्ड में साल 1970 में जीभ बनाने का काम शुरू हुआ था। पहले छाती से मसल्स लेकर जीभ बनाई जाती थी। इस प्रोसेस में छाती में दिक्कत आती थी। कई बार जीभ बनाने के लिए जांघ की मांसपेशियों का उपयोग किया जाता है, लेकिन यह मांसपेशियां कठोर होती हैं जिससे जीभ को चलाना मुश्किल हो जाता है।

देश के बड़े अस्पतालों में 12 लाख का खर्च

यह सर्जरी देश के बड़े अस्पतालों में ही संभव है। दिल्ली मुंबई जैसे बड़े सेंटर में इस तरह के ऑपरेशन के लिए 10-12 लाख रूपए लिए जाते हैं। एम्स में इसके लिए मरीजों का 20 से 25 हजार रुपए ही खर्च होते हैं। यही नहीं आयुष्मान योजना के तहत यह ऑपरेशन निशुल्क होता है।ऑपरेशन में डॉ विनय कुमार के साथ डॉ. सिद्धार्थ, प्लास्टिक सर्जरी विभाग से डॉ. दीपक कृष्णा, डॉ. माधुरी, डॉ. प्रग्ना, निश्चेतना विभाग से डॉ. मौली किरण भी शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने बैंगलुरू में लगाया आम का पौधा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैंगलुरू स्थित होटल ताज यशवंतपुर परिसर में आम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान मध्यप्रदेश में निवेश अवसर विषय पर उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद तथा उन्हें जनवरी 2023 में इंदौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित करने के लिए बैंगलुरू प्रवास पर हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रतिदिन पौध-रोपण के अपने संकल्प के क्रम में निरंतर पौध-रोपण कर रहे हैं।

म.प्र.के कॉलेज में 536 पदों पर होगी भर्ती

सेंट्रल स्कूल, मैनिट में भी वैकेंसीज, पुलिस के 7500 पद भी भरे जाएंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में रोजगार को लेकर बड़ी खबर है। उच्च शिक्षा विभाग, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 और तकनीकी शिक्षा विभाग में भर्तियां निकली हैं। पहली बार सरकारी कॉलेज में योग विज्ञान के नियमित पद स्वीकृत किए गए हैं। आठ नए आदर्श कॉलेज के लिए 536 पदों की स्वीकृति आदेश जारी हुए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा- प्रदेश में पहली बार सरकारी कॉलेज में योग विज्ञान के नियमित पद स्वीकृत किए गए हैं। राज्य शासन ने उच्च शिक्षा विभाग के तहत राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 8 नए आदर्श स्नातक महाविद्यालय (दमोह, राजगढ़, बड़वानी, छतरपुर, गुना, खंडवा, सिंगरौली और विदिशा) में पद निकाले हैं।

इसके लिए 336 एकेडमिक और 200 नॉन एकेडमिक (कुल 536) पद भरे जाएंगे। इन कॉलेज में अगले एकेडमिक साल से पढ़ाई शुरू होगी। नए कॉलेज के 5 जिलों में बिल्डिंग्स बनकर तैयार हैं। नीति आयोग के रिकमेंडेशन पर सभी आदर्श कॉलेज खोले जा रहे हैं।

852 शहरी आवासों के लिए 4 करोड़ की तीसरी किस्त जारी

भोपाल(नप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण करने के लिए 4 करोड़ 13 लाख 40 हजार रूपये की तीसरी किस्त जारी की गई है। यह राशि विभिन्न नगरीय निकायों में निर्माणाधीन 852 आवासों के लिए जारी की गयी है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि निर्माणाधीन आवासों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने यह निर्देश भी दिये हैं कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समय पर कार्य पूरा करें।

18 एवं 19 साल आयु के सभी नए मतदाताओं के आवेदन प्राप्त करने विशेष प्रयास करें: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 की समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आज मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 को लेकर जिलों में चल रही गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने ईपी रेसियो, जेंडर रेसियो सहित ब्लैक एंड व्हाइट फोटो को कलर में बदलने को लेकर चर्चा की। वीडियो कांफ्रेंस से हुई समीक्षा बैठक में सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारी सम्मिलित हुए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि जिन जिलों में 18-19 साल आयु के नए मतदाताओं के आवेदन कम मिले हैं वहाँ विशेष प्रयास किए जाएँ। उन्होंने कहा कि जहाँ पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, ऐसे जिलों में जेंडर रेसियो बढ़ाने के लिए आँगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ता की मदद ली जाए। यदि लक्ष्य के अनुरूप नए मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने के आवेदन नहीं आ रहे हैं तो ऐसी स्थिति में बीएलओ घर-घर जाकर आवेदन लें। मिलने वाले फॉर्मों को उसी दिन गरुड़ा एप के माध्यम से अपलोड करें। साथ ही उन्होंने उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिए। 18-19 वर्ष के सभी युवा मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने के लिए कॉलेजों में शिविर लगाए जाएँ। 17 साल से अधिक उम्र के युवा भी सूची में अपना नाम जुड़वाने का आवेदन अग्रिम रूप से दे सकते हैं।

म.प्र. में सभी क्षेत्रों के उद्योग और निवेश के लिए पर्याप्त संभावनाएँ : मुख्यमंत्री

● पर्याप्त लैंड बैंक-बिजली-पानी-रोड कनेक्टिविटी और बेहतर कानून-व्यवस्था प्रदेश की ताकत ● मैं प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध ● मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैंगलुरू में 'मध्यप्रदेश में निवेश अवसर' पर उद्योगपतियों और निवेशकों से किया संवाद ● इन्दौर में जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए किया आमंत्रित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए पर्याप्त लैंड बैंक उपलब्ध है। मध्यप्रदेश, पावर सरप्लस राज्य है, दिल्ली की मेट्रो ट्रेन भी मध्यप्रदेश के सोलर प्लांट से चल रही है। प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता है। स्किल्ड मेन पावर के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर है, प्रदेश के लोग शांति से कार्य करने में विश्वास रखते हैं, हमारी ब्यूरोक्रेसी भी प्रो-एक्टिव है। यह सब बिन्दु औद्योगिक विकास और निवेश के लिए हमारी ताकत है। राज्य सरकार उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार अपनी विभिन्न नीतियों में जरूरी बदलाव करने के लिए सहमत है। प्रदेश में सभी क्षेत्रों के उद्योग और निवेश के लिए पर्याप्त संभावनाएँ मौजूद हैं। उद्योगपति एंव निवेशक आएँ, बातचीत करें और उद्योग तथा प्रदेश की प्रगति में सहभागी बने। मुख्यमंत्री श्री चौहान बैंगलुरू में 'मध्यप्रदेश में निवेश अवसर' पर संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे।

बैंगलुरू के होटल ताज यशवंतपुर में संवाद सत्र में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा, विभिन्न उद्योगपति और निवेशक सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निवेशकों से यह संवाद मात्र कर्मकांड नहीं है, अपितु प्रदेश के विकास की तड़प, जिद, जुनून और जज्बे से उत्पन्न भावना है जिसे व्यवहारिक रूप देने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन्दौर में 11 और 12 जनवरी 2023 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हो रही है। इससे पहले 8 से 10 जनवरी तक प्रवासी भारतीय सम्मेलन होगा, जिसमें 80 से अधिक देशों में निवास कर रहे प्रवासी भारतीय सम्मिलित होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उद्योगपतियों और निवेशकों को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योग लगाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श कर समिट में उद्योगपति एवं निवेशक अपनी भावी योजनाओं को निर्णायक रूप देंगे, इस विश्वास के साथ ही मैं आपको आमंत्रित कर रहा हूँ। मध्यप्रदेश के उज्जैन में श्री महाकाल लोक की अद्भुत सृष्टि हुई है, प्रदेश टाईगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट और चीता स्टेट भी है। आप प्रदेश में आएँ, निवेश की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ें और प्रदेश की विविधता से परिचित हों, यही आग्रह है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का स्वच्छतम राज्य है। प्रदेश लगातार छठवीं बार स्वच्छता में उपलब्धियाँ अर्जित कर देश का सिरमौर बना है। प्रदेश में 3 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं। अटल एक्सप्रेस-वे, नर्मदा एक्सप्रेस-वे से जहाँ एक ओर अंतर्राज्यीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी, वहीं दिल्ली और गुजरात से भी आवागमन सुगम और कम समय में होगा। इंदौर और भोपाल के बीच में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट विकसित किया जा रहा है। कभी बीमारु राज्य कहे जाने वाले मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में अन्न उत्पादन में पंजाब को पीछे छोड़ा है। प्रदेश का बासमती चावल अमेरिका और कनाडा में धूम मचा रहा है। हम फूड प्रोसेसिंग में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। देश की जीएसडीपी में हमारा योगदान 3.6 से बढ़ कर 4.6 प्रतिशत हो गया है और विकास दर वर्तमान मूल्यों पर 19.36 प्रतिशत है।

भोपाल रेलवे ने अतिक्रमण के 80 मकान तोड़े

संत हिरदाराम नगर-भोपाल के बीच में 6600 वर्ग मीटर में कब्जा था

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेल मंडल अपनी सीमा में रेलवे लाइन के आस पास की रेलवे भूमि में स्थानीय लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत इंजीनियरिंग विभाग द्वारा पूरे मंडल में रेलवे लाइन के किनारे की भूमि का सर्वे कराकर रेलवे भूमि की सीमा चिन्हित कर उसके अन्दर किए गए हटाए।

मंडल रेल प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही अतिक्रमण करने वालों को सूचित करके तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर की जा रही है। इसी कड़ी में 24 नवंबर को इंजीनियरिंग विभाग द्वारा जिला प्रशासन के समन्वय से संत हिरदाराम नगर और भोपाल के बीच रेलवे लाइन के किनारे स्थानीय लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में संत हिरदाराम नगर-भोपाल के मध्य किलोमीटर 231/12 से 231/22 तक रेलवे लाइन के किनारे स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए 80 कच्चे/पक्के मकानों को रेलवे भूमि से हटाया गया।

इन स्थानों पर रेलवे लाइन के किनारे रेलवे की भूमि पर 220 मीटर लंबाई और 30 मीटर चौड़ाई में, इस प्रकार 6600 वर्ग मीटर क्षेत्र में लोगों ने अतिक्रमण कर रखा था। मंडल रेल प्रबंधक सौरभ बंदोपाध्याय ने भोपाल रेल मण्डल की सीमा में रेलवे लाइन के आस-पास अथवा अन्य स्थानों पर रेलवे की भूमि की सीमा के पास रहने वाले नागरिकों से अपील की है कि वह रेलवे भूमि पर अतिक्रमण ना करें। रेलवे सीमा के अंदर कोई भी निर्माण कार्य ना करें, ताकि आप को कोई असुविधा ना हो।

रेलवे फाटक को तोड़ता हुआ ट्राला ट्रैक पर घुसा, तीन की मौत

झाबुआ/बामनिया (नप्र)। झाबुआ जिले के बामनिया में स्थिति दिल्ली मुंबई बड़ी रेल लाइन की रेलवे ट्रैक पर बने, रेलवे फाटक को तोड़ते हुए एक ट्राला गुरूवार सुबह ट्रैक पर जा घुसा। चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई। दुर्घटना के बाद के मृतक के स्वजनों व लोगों की मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने रेलवे ट्रैक पर बैठकर धरना दिया। लोगों की मांग थी कि मृतक के स्वजनों को मुआवजा व सरकारी नौकरी दी जाए। बाद में समझाइश के बाद धरना खत्म किया गया। इस दौरान दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक 4 घंटे तक प्रभावित रहा।

ट्राला (आरजे, 17 जीए 8187) रतलाम से खवासा की ओर जा रहा था जो अचानक अनियंत्रित होकर बंद फाटक में जा घुसा। इधर करवड़ निवासी मनोरमा भंडारी व रामपुरिया निवासी कालू डोडिया फाटक खुलने का इंतजार कर रहे थे कि अनियत्रित ट्राले की चपेट में आ गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं करवड़ के ही सुभाष भंडारी को प्राथमिक उपचार के बाद गोधरा भेजा गया। जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। दुर्घटना में दोनों पति-पत्नी की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्राले के चालक-परिचालक मौके से फरार हो गए।

शव रखकर किया प्रदर्शन- इस हादसे को लेकर मृतक के स्वजन और अन्य सामाजिक संगठन ने शव रेलवे ट्रैक पर रखकर प्रदर्शन किया। लोगों की मांग थी कि मृतक के स्वजनों को मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए। प्रदर्शन के दौरान करीब 4 घंटे दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक बंद रहा। बाद में अधिकारियों की समझाइश के बाद आवगमन शुरू किया गया।

खाद लेने जा रहे थे

बताया जा रहा है मृतक कालू डोडिया बामनिया में खाद की किल्लत और ना मिलने के कारण अपने खेत के लिए यूरिया खाद खरीदने को खवासा जा रहे थे। तब बामनिया रेलवे फाटक बंद होने के कारण फाटक पर ट्रेन निकल जाने का इंतजार करते हुए खड़े थे। तभी पीछे से तेज गति से आए हुए ट्राले ने बाइक सवारों को रौंदते हुए फाटक तोड़ दिया और रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। सुबह के समय जब यह हादसा हुआ इससे पहले कुछ लोगों ने देखा रतलाम रोड़ पर यह ट्रक ड्राइवर किसी गाड़ी को बड़ी तेजी से ओवरटेक कर रहा था। रतलाम रोड पर दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी का साइड ग्लास भी वाहन टकराने से टूट चुका था जिस पर लोगों ने समझाइश देकर जाम ना लगाने की बात कही और आगे जाने को कहा।

यह बोले अधिकारी

एसडीएम अनिल राठौर का कहना है कि मृतक के परिजनों ने दो लाख रुपए और मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की प्रशासन के सामने मांग बात रखी है। एसडीओपी सोनू डावर, तहसीलदार जगदीश वर्मा का कहना है कि उचित मुआवजा दिलवाने का मृतक के परिजनों को दिलवाने का आश्वासन दिया जिसके बाद आंदोलन को खत्म किया और रेलवे ट्रैक से सबको हटाया गया।सांसद गुमान सिंह डामोर ने का कहना है कि मैं जल्द ही मध्यप्रदेश शासन से बात करता हूं और ओवरब्रिज को रुकी प्रतिक्रिया को शुरू करवाते हैं

केरल की तर्ज पर खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान में मधुर संगीत के साथ होगा पंचकर्म उपचार

भोपाल(नप्र)। आयुर्वेद की जिस पंचकर्म विधि के सहारे केरल ने पर्यटन के नक्शे पर जगह बनाई है, मध्यप्रदेश भी उसका ही सहारा लेने जा रहा है। मध्यप्रदेश में इसको लेकर राजधानी के पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में पहला प्रयोग हो रहा है। यहां 50 लोगों की क्षमता वाले पंचकर्म विभाग को तैयार कर लिया गया है, जहां मधुर संगीत की धुन पर पंचकर्म किया जाएगा। यहां पंचकर्म कराने वालों को पांच सितारा होटल की तरह सुविधा मिलेगी, इसके लिए निर्धारित शुल्क चुकाना होगा।

आयुर्वेद कालेज प्रबंधन इस विभाग को लेकर काफी उत्साहित है। इसे विकसित करने के लिए एमपीटी (मध्यप्रदेश टूरिज्म) का सहयोग लिया जा रहा है। यहां पर मधुर संगीत के साथ मरीज का पंचकर्म होगा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 20 प्राइवेट वार्ड अलग से होंगे। इनके अलावा 20 साधारण और 10 एसी वार्ड होंगे। प्राइवेट वार्डों में टीवी, छोटा किचन व टेलीफोन की सुविधा रहेगी। पंचकर्म से संबंधित सभी सामग्री आ चुकी है।

10 करोड़ से अधिक की यूनिट, पांच सितारा वाली मिलेगी सुविधा

पंचकर्म के लिए 10 करोड़ से अधिक का विभाग तैयार किया गया है। इसमें किसी पांच सितारा कार्पोरेट पंचकर्म यूनिट की तरह ही सुविधाएं होंगी। कलियासोत डैम का दृश्य यहां आने वाले लोगों का तनाव भी कम करेगा। पंचकर्म अस्पताल के साथ न्यूरो स्पाइन सेंटर भी बन रहा है। मिर्गी, लकवा और सुन्नापन जैसी बीमारियों का इलाज होगा। इसकी लागत 10 करोड़ रुपये आई है।

यहां नौ प्रकार के पैकेज होंगे

कलियासोत डैम के किनारे आयुर्वेद कालेज कैंपस पंचकर्म वैलनेस सेंटर विदेशी मरीजों को आकर्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। यहां कुल नौ प्रकार के पैकेज होंगे, जिसे स्वदेशी व विदेशी मरीजों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। विदेशी मरीजों के लिए एयर कंडीशनर कमरे भी रहेंगे। अभी प्रदेश में पचमढ़ी में पंचकर्म सेंटर है, पर सरकार द्वारा संचालित होने वाला पहला सेंटर भोपाल का होगा। इसमें पांच से नौ हजार प्रतिदिन का पैकेज मरीजों के लिए रहेगा।

प्रयोग सफल रहा तो अन्य जिलों में भी खुलेंगे सेंटर

आयुष विभाग का पंचकर्म विभाग का प्रयोग सफल रहा तो इस तरह के सेंटरों को प्रदेश के पर्यटन वाले क्षेत्रों में खोला जा सकेगा। इसे तीन माह के भीतर विभाग ने शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

सरकार वैलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देना चाहती है। इसमें स्वदेशी के साथ विदेशी मरीजों को भी सभी सुविधाएं मिलेंगी। अस्पताल का काम पूरा हो गया है। अब इसे अगले तीन माह में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

घर में पैरेंट्स कर रहे शादी की तैयारी, बेटी इंस्टाग्राम वाले लवर के साथ पैसे और जेवर लेकर भागी

भोपाल (नप्र)। सोशल मीडिया से दोस्ती, दोस्त ने किया इकरार और दोनों में हो गया प्यार, कहानी यहीं नहीं रुकती है। प्यार में पड़ी भोपाल की एक लड़की ने ऐसा कदम उठा लिया कि मां-पिता को थाना पहुंचना पड़ गया। मामला मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का है। छोला मंदिर थाना पुलिस के मुताबिक छोला मंदिर क्षेत्र में रहने वाले माता-पिता पुलिस के पास पहुंचे और मदद की गुहार लगाई। ऐसी शिकायत सुनकर पुलिस भी पेशोपेश में पड़ गई है।

छोला पुलिस ने बताया कि नवजीवन कॉलोनी में एक महिला ब्यूटी पार्लर चलाती है। उन्होंने थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया है कि उनकी 20 वर्षीय बेटी कॉलेज में पढ़ती है। 25 अगस्त को वह घर में किसी को कुछ बताए बिना कहीं गायब हो गई। जब हमनें चेक किया तो पाया कि मेरी बेटी ने फोन-पे के माध्यम से खुद के खाते बैंक खाते में एक लाख 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। इतना ही नहीं, शादी के लिए जो जेवर लिए थे, वह भी लॉकर से गायब मिले। अब जब परिवार को जानकारी मिली कि उनकी बेटी कटनी में रहने वाले अविनाश तनवानी के साथ रह रही है। उसने प्रेम विवाह किया है।

अखिल भारतीय 13 एवं प्रादेशिक 15 कृति पुरस्कार वर्ष 2018 के पुरस्कारों की घोषणा

भोपाल। साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा अखिल भारतीय 13 (तेरह) एवं प्रादेशिक 15 (पन्द्रह) कृति पुरस्कार कैलेण्डर वर्ष 2018 के पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। अखिल भारतीय प्रति पुरस्कार रुपये एक लाख रुपये एवं प्रादेशिक प्रति पुरस्कार रुपये 51 हजार रु के साथ शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति के साथ रचनाकारों को अलंकृत किया जाता है।

अखिल भारतीय पुरस्कार: 1. अखिल भारतीय पं. माखनलाल चतुर्वेदी (निबंध) डॉ. रामदीन त्यागी-भोपाल की कृति 'मीडिया से दूर गिरिजन', 2. अखिल भारतीय गजानन माधव मुक्तिबोध (कहानी) इंजी. आशा शर्मा-बीकानेर की कृति 'तस्वीर का दूसरा रुख', 3. अखिल भारतीय राजा वीरसिंह देव (उपन्यास) श्री कृष्णा अग्निहोत्री-खण्डवा की कृति 'हरिप्रिया', 4. अखिल भारतीय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (आलोचना) प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी-इंदौर की कृति 'साहित्य का अभिप्राय', 5. अखिल भारतीय पं. भवानी प्रसाद मिश्र (गीत एवं हिन्दी गजल) श्रीमती कांति शुक्ला 'उर्मि'-भोपाल की कृति 'कल्पना के उग आये पंख', 6. अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी (कविता) आचार्य देवेन्द्र 'देव'-बरेली की कृति 'हठयोगी नचिकेता', 7. अखिल भारतीय कुवेरनाथ राय (ललित निबंध) श्री नर्मदा प्रसाद उपाध्याय-इंदौर की कृति 'चिनगारी की विरासत', 8. अखिल भारतीय विष्णु प्रभाकर (आत्मकथा-जीवनी) श्री महेश सोनी-भोपाल की कृति 'यादों से भरा झोला', 9. अखिल भारतीय निर्मल वर्मा (संस्मरण) डॉ. आनंद प्रकाश शर्मा-पिपरिया की कृति 'चैतुआ', 10. अखिल भारतीय महादेवी वर्मा (रेखाचित्र) डॉ. मंजरी शुक्ला-पानीपत की कृति 'यादों की दुपहरी', 11. अखिल भारतीय प्रो. विष्णुकांत शास्त्री (यात्रा-वृत्तांत) श्री राजेन्द्र उपाध्याय-दिल्ली की कृति 'नावें, समुद्र और जहाज', 12. अखिल भारतीय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (अनुवाद) श्री अरविन्द जवलेकर-इंदौर की कृति 'कृतार्थ मैं! कृतज्ञ मैं', 13. अखिल भारतीय नारद मुनि (फेसबुक/ब्लाग/नेट) श्री केशव गुप्ता-इंदौर को उनके पेज 'फेसबुक/ब्लॉग/नेट' को दिया गया है।

प्रादेशिक पुरस्कार: 1. प्रादेशिक वृन्दावन लाल वर्मा (उपन्यास) श्री आलोक शर्मा-इंदौर की कृति 'अनंत चन्द्र', 2. प्रादेशिक सुभद्रा कुमारी चैहान (कहानी) श्री गोकुल सोनी-भोपाल की कृति 'कठघरे में हम सब', 3. प्रादेशिक श्रीकृष्ण सरल (कविता) श्री प्रतीक सोनवलकर-उज्जैन की कृति 'समर्पण', 4. प्रादेशिक आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (आलोचना), श्री राधेश्याम आचार्य-इंदौर की कृति 'श्रीयमुने रसपान', 5. प्रादेशिक हरिकृष्ण प्रेमी (नाटक) श्री संजय श्रीवास्तव-भोपाल की कृति 'सरहदें', 6. प्रादेशिक राजेन्द्र अनुरागी (डायरी) ब्रजेश राजपूत-भोपाल की कृति 'ऑफ़ द स्क्रीन', 7. प्रादेशिक पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (प्रदेश के लेखक की पहली कृति) श्रीमती सीमा शर्मा-भोपाल की कृति 'गीत अँजुरी', 8. प्रादेशिक ईसुरी (लोकभाषा विषयक) श्री महेश जोशी 'अनल'-खरगोन की कृति 'हाल चाल सब अच्छा छे', 9. प्रादेशिक हरिकृष्ण देवसरे (बाल साहित्य) श्री ओमप्रकाश क्षत्रिय 'प्रकाश'-नीमच की कृति 'बच्चों सुनो कहानी', 10.प्रादेशिक नरेश मेहता (संवाद, पटकथा लेखन), श्री पवन सक्सेना-ग्वालियर का पटकथा लेखन 'चंबल का सौर्य', 11. प्रादेशिक जैनेन्द्र कुमार 'जैन' (लघुकथा) श्री प्रताप सिंह सोढ़ी-इंदौर की कृति 'मेरी प्रिय लघुकथाएँ', 12. प्रादेशिक सेठ गोविन्द दास (एकांकी) श्री दविन्दर सिंह ग्रोवर-जबलपुर की कृति 'रानी दुर्गावती', 13. प्रादेशिक शरद जोशी (व्यंग्य) श्री आशीष दशोत्तर-रतलाम की कृति 'मोरे अवगुन चित में धरो', 14. प्रादेशिक वीरेन्द्र मिश्र (गीत) श्री यतीन्द्रनाथ 'राही'-भोपाल की कृति 'सान्ध्य के ये गीत लो...' एवं 15. प्रादेशिक दुष्यंत कुमार (ग़ज़ल) श्री अनिल त्रिवेदी-इंदौर की कृति 'ज़िंदगी मिलेगी दोबारा' को दिया गया है।